पीएम मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार दाखिल किया नामांकन, दिग्गज नेता रहे मौजूद

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 11 दिनांक:15-05-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

'मोदी सत्ता में नहीं लौट रहे', ममता बनर्जी बोली- INDIA गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतकर केंद्र में सरकार बनाएगा

महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल...थोक महंगाई दर 13 महीने के टॉप पर...

खाने-पीने की चीजों से लेकर साबुन-तेल जैसे डेली यूज के सामानों के दाम भी बढ़े

आम आदमी परेशान...कंपनियां मालामाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई के मोर्चे पर अप्रैल का महीना मिलाजुला रहा। खुदरा महंगाई की दर में राहत मिली तो थोक महंगाई एक महीने पहले के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को आंकड़े जारी कर बताया कि अप्रैल में थोक महंगाई की दर 1.26 फीसदी पहुंच गई, जो मार्च में 0.53 फीसदी थी। इस तरह एक महीने के भीतर ही थोक महंगाई की दर में 0.79 फीसदी की बढ़ोतरी दिखी है। यह महंगाई का 13 महीने का उच्चतर स्तर है। इससे पहले मार्च 2023 में थोक महंगाई दर 1.34 प्रतिशत थी। खाने-पीने की चीजों की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ी है। वहीं इससे एक महीने पहले मार्च 2024 में ये 0.53 प्रतिशत रही थी। वहीं फरवरी में थोक महंगाई 0.20 प्रतिशत और जनवरी में 0.27 प्रतिशत रही थी। जारी आंकड़ों के अनुसार महंगाई आउट ऑफ कंट्रोल हो गई है। जिससे आम आदमी परेशान हैं और कंपनियां मालामाल हो रही हैं।

खाद्य महंगाई दर मार्च के मुकाबले 4.65 प्रतिशत से बढ़कर 5.52 प्रतिशत हो गई। रोजाना की जरूरतों के सामानों की महंगाई दर 4.51 प्रतिशत से बढ़कर 5.01 प्रतिशत हो गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -0.77 प्रतिशत से बढ़कर 1.38 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर -0.85 प्रतिशत से बढ़कर -0.42 प्रतिशत रही। कॉमर्स मिनिस्ट्री की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अप्रैल, 2024 में खाने-पीने की चीजें महंगी होने और ईंधन (कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस) के दाम बढ़ने का असर थोक महंगाई पर दिखा। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट और खाने-पीने के मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट के दाम बढ़ने से भी थोक महंगाई की दर बढ़ी है। अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इससे पहले मार्च, 2023 में थोक महंगाई की दर 1.34 फीसदी थी।

फूड इन्फ्लेशन ने दिया झटका

आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में फूड आर्टिकल की महंगाई दर मार्च के 6.88 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 7.74 फीसदी पहुंच गई। सब्जियों की कीमतों में ज्यादा उछाल दिखा और इसकी महंगाई दर 23.60 फीसदी हो गई, जो मार्च में सिर्फ 19.52 फीसदी थी। ईंधन की महंगाई दर अप्रैल में 1.38 फीसदी रही जो मार्च में शून्य से 0.77 फीसदी नीचे थी। थोक महंगाई ज्यादा होने से मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट की लागत बढ़ जाती है और इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ता है। थोक महंगाई का ज्यादा असर मेटल, केमिकल, प्लास्टिक और रबर जैसे प्रोडक्ट पर होता है, क्योंकि इससे मैन्युफैक्चरिंग की जाती है और लागत बढ़ने की वजह से खुदरा दाम भी बढ़ जाता है, जिससे आम आदमी पर खुदरा महंगाई का बोझ आ जाता है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा

अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े

अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढक़र 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढक़र 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने सोमवार को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

अस्पतालों में बम धमाके की धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में मंगलवार को कई अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपचंद बंधु, दादा देव, हेडगेवार और जीटीबी अस्पताल में कॉल करके बम रखे होने की सूचना दी गई। कुछ दिन पहले भी दो अस्पतालों को ऐसी धमकी दी गई थी। इससे पहले 2 मई को दिल्ली-एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों में बम रखे होने का ई-मेल भेजा गया था। बाद में पुलिस ने इस सूचना को फर्जी बताया था। पुलिस ने आशंका जताई थी कि आरोपियों ने डार्क नेट के जरिए ये मेल भेजा है, ताकि उनकी पहचान न हो सके।

विनोद उपाध्याय / 14 मई, 2024

8 पर्यटक नर्मदा नदी में डूबे

सूरत (ईएमएस)। नर्मदा नदी मंगलवार को पर्यटकों के लिए काल बन गई। यहां सूरत से घूमने आए 8 पर्यटक नर्मदा के गहरे पानी में डूब गए। सभी सैलानी पोइचा घूमने आए थे। इस घटना के बाद चीख पुकार मच गई। लोगीं की काफी भीड़ जुट गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर राहत बचाव टीम पहुंची। गोताखोर लगातार नदी में डूबे लोगों की तलाश कर रह हैं। फिलहाल डूबे लोगों की कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। प्रशासन की ओर गोताखोरों की टीम को सभी 8 सैलानियों की तलाश में नर्मदा नदी में उतारा गया है। पोईचा में नर्मदा लगातार गोताखोर डूबे सभी सैलानियों की तलाश कर रहे हैं लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा है। डूबने वालों के नाम और पते भी तलाशने की कोशिश की जा रही है ताकि घर वालों को सूचना दी जा सके।

नरेंद्र मोदी ने किया वाराणसी से तीसरी बार किया नामांकन

वाराणसी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव-2024 के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। पीएम ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे।

मंगलवार को गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे। नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे।चहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर रहे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं। पीएम के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, प्रफुल्ल पटेल, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस, अनिल बलूनी आदि की मौजूदगी रही।

चुनावी सभा में राहुल गांधी बोले - सरकार बनते ही गरीबों को खटाखट पैसा देंगे

अग्निवीर योजना को फाडक़र कचरे में फेकेंगे

झांसी (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को झांसी में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा- भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए भेजे जाएंगे। यानी महीने 8500 रुपया खाते में खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं। जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था।

राहुल ने कहा कि अग्निवीर योजना को हम फाडक़र कचरे में फेंक देंगे, हम शहीदों के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे। मुफ्त अनाज योजना कांग्रेस की सरकार लेकर आई थी, हमारी सरकार बनने पर हम इसके तहत और अधिक, अच्छी क्वालिटी का राशन देंगे। गरीबों, किसानों, कमजोर लोगों की सरकार बननी चाहिए, अंबानी-अडानी की सरकार हटाई जानी चाहिए।

कॉरिडोर के नाम पर किसानों को बेवकूफ बनाया

राहुल ने कहा कि अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डाल देंगे। एक शहीद को दर्जा मिलेगा, एक को पेंशन मिलेगी। दूसरे को शहीद का दर्जा और पेंशन नहीं मिलेगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसी योजना को फाडक़र डस्टबीन में डाल देंगे। बीजेपी ने कॉरिडोर के नाम पर किसानों को बेवकूफ बनाया। सारा का सारा पैसा अरबपतियों को दे दिया। हिंदुस्तान की आम जनता को क्या दिया? 4 जून के बाद आंगनबाड़ी महिलाओं की आय दोगुनी हो जाएगी। हमारी सरकार आई, तो इनसे अच्छा और ज्यादा अनाज बांटेंगे।

हम 4 जून को कर्जा माफ करने जा रहे हैं

राहुल ने कहा कि 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं। जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था। राहुल ने कहा कि वो 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। इन्होंने 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ कर्जा माफ किया। हमने 72 हजार करोड़ किसानों का माफ किया था। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। फिर उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपया भेजा जाएगा। महीने का 8500 रुपए खाते में डाला जाएगा। हमने मन बना लिया है, जितना इन्होंने पूंजीपतियों का पैसा माफ किया है उतना ही हम गरीबों को खटाखट पैसा देंगे।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में एचडी रेवन्ना को मिली जमानत

बंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में फंसे जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना को जमानत पर रिहा किया गया है। उन्हें कर्नाटक पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक पीड़ित महिला के अपहरण के केस में गिरफ्तार किया था।

मैसूर में एक महिला के अपहरण के आरोप में केस दर्ज कराया गया था। वहां महिला भी यौन शोषण की शिकार है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने रेवन्ना के खास सतीश बबन्ना को गिरफ्तार किया था। एसआईटी द्वारा नोटिस देने के बाद भी हाजिर नहीं होने पर रेवन्ना को गिरफ्तार किया गया था।

क्या है मामला?

राजू एचडी नामक एक शख्स ने दो मई को पुलिस में अपहरण का केस दर्ज कराया था। शख्स ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसकी मां छह साल से एचडी रेवन्ना के घर और फार्महाउस में काम कर रही थी। लेकिन तीन साल पहले वे लोग काम छोड़कर अपने गांव में मजदूरी करने लगे। कुछ दिन पहले उनका एक परिचित सतीश आया उसकी मां को अपने साथ लेकर चला गया। लेकिन कुछ दिन बाद मां को वापस भी ले आया।

आरोप है कि 29 अप्रैल की रात करीब नौ बजे सतीश फिर उनके घर आया। उसकी मां को यह कहकर जबरदस्ती ले गया कि रेवन्ना ने लाने को कहा है क्योंकि पुलिस उन्हें खोज रही है। बाद में उन्हें पता चला कि उसकी मां का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उसकी मां का यौन उत्पीड़न किया जा रहा है।

दिल्ली शराब घोटाला: ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया

आप को बनाया जाएगा आरोपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। ईडी ने यह दलील मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दी।

ईडी के वकील ने जज स्वर्णकांत शर्मा के सामने दलील देते हुए बताया कि इस मामले हम अपनी अगली अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) में आप को सह-अभियुक्त बनाने वाले हैं। वकील ने आगे कहा कि आरोपी पक्ष इस मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया में देरी करने के लिए पूरा जोर लगा रहा है।

जल्द खत्म नहीं होगा यह मुकदमा

वहीं दूसरी तरफ सिसोदिया के वकील ने उनकी जमानत की मांग करते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार मामले में लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। यह मुकदमा जल्द नहीं निपटने वाला है। खबर लिखे जाने तक इस मामले में सुनवाई जारी है।

दिल्लीवालों कर लो तैयारी..... प्रचंड गर्मी से निपटने की

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर में कुछ दिनों की राहत के बाद फिर से गर्मी सताने लगी है। दिल्लीवालों के लिए यह हफ्ता उम्मीद से अधिक गर्म रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार हालांकि लू की संभावना कम है, लेकिन स्थिति करीब करीब लू जैसी ही रहेगी।

पूर्वानुमान के अनुसार 15 मई से तेज गर्म हवाएं चलेंगी। इनकी गति 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। यह गर्म और धूल उड़ाने वाली होंगी। 15 से 19 मई के बीच अधिकतम तापमान 42 से 44 और न्यूनतम 27 से 30 डिग्री रहेगा। बीते पांच दिनों से राजधानी का तापमान 40 डिग्री से कम बना हुआ था। अब इसने 40 डिग्री को एक बार फिर पार कर लिया है। अब गर्मी लगातार बढ़ेगी। इस हफ्ते गर्मी काफी तेजी से बढ़ेगी। मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मई में दिल्ली सहित उत्तर भारत में प्री-मॉनसून गतिविधियां सबसे अधिक होती हैं। वहीं लू भी चलती है। 17 मई को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस आएगा लेकिन यह काफी कमजोर होगा। इसका दिल्ली पर अधिक असर नहीं पड़ेगा। बादल छा सकते हैं, लेकिन गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। इस पूरे हफ्ते तापमान 40 डिग्री से अधिक रहेगा। अगले दो दिनों में यह 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। साथ में तेज और गर्म सतही हवाएं चलेंगी। इससे हालात लू जैसे बन जाएंगे।

के कविता को नहीं मिली राहत.....20 मई तक रहना होगा जेल में

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर छठे पूरक आरोप पत्र पर विचार पर सुनवाई टाल दी।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता, आप गोवा अभियान (चेरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड) को संभालने वाली कंपनी के तीन कर्मचारी दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार और चनप्रीत सिंह और इंडिया अहेड समाचार चैनल के पूर्व कर्मचारी अरविंद सिंह ने नवीनतम आरोप पत्र में आरोपी के रूप में नामित किया गया है।

संदेशखाली वायरल वीडियो केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

याचिकाकर्ता ने एसआईटी जांच की मांग की

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) केस में वायरल वीडियो का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक महिला ने याचिका लगाकर मौजूदा हालात को लेकर एसआईटी जांच की मांग की है।

एक महिला के वकील उदयादित्य बनर्जी ने कोर्ट से कहा कि संदेशखाली मामले में कई वीडियो वायरल हैं। इसमें एक व्यक्ति खुलासा कर रहा है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ रेप के आरोप झूठे थे। उनके खिलाफ झूठे आरोप भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निर्देश पर लगाए गए।

वीडियो की सच्चाई का पता लगाया जाए

संदेशखाली की पीडित महिलाओं का कहना है कि उनसे कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए गए। इसके बाद शाहजहां शेख के खिलाफ रेप की झूठी शिकायतें हुईं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग करते हुए कहा कि वायरल वीडियो की सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच होनी चाहिए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी गठित की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन के फैसले को पलट दिया

वकालत का पेशा कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे से बाहर

-सुप्रीम कोर्ट बोला- वकीलों का काम दूसरों से अलग, सफलता पर उनका कंट्रोल नहीं होता

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) के 2007 के फैसले को पलटते हुए मंगलवार को कहा कि वकालत का पेशा कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के दायरे में नहीं आता है। उनके काम की सफलता कई फैक्टर्स पर निर्भर करती है, जिन पर उनका कंट्रोल नहीं होता। इसलिए, उनकी सेवाओं या पैरवी में कमी का दावा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि वकीलों का काम दूसरे प्रोफेशन से अलग होता है। उन्हें हाई लेवल एजुकेशन, स्किल और मेंटल लेबर की जरूरत होती है। इसलिए, उनके साथ व्यवसायियों की तरह व्यवहार नहीं किया जा सकता है। खराब काम को लेकर उन पर कंज्यूमर कोर्ट में केस नहीं चलाया जा सकता।

जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने कहा कि वकीलों पर काफी हद तक उनके क्लाइंट का सीधा कंट्रोल होता है। दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट पर्सनल सर्विस है। इसलिए, इसे कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सर्विस की परिभाषा से बाहर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीडीआरसी के फैसले को पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) के 2007 के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि वकीलों की सेवाएं कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 1986 की धारा 2 (ओ) के तहत आती हैं। एनसीडीआरसी के फैसले के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लॉयर्स और अन्य लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

रामदेव-बालकृष्ण अवमानना केस पर फैसला सुरक्षित

-सुप्रीम कोर्ट ने जवाब देने के लिए वक्त दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योगगुरु रामदेव, आचार्य बालकृष्णण और पतंजलि आयुर्वेद को भेजे अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। साथ ही दोनों को व्यक्तिगत पेशी से छूट दी है।

जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने पतंजलि आयुर्वेद को एफिडेविट फाइल करने के लिए 3 हफ्ते का वक्त दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफिडेविट में यह बताएं कि जिन प्रोडक्ट्स का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है, उनका विज्ञापन वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष आरवी अशोकन ने बिना शर्त माफी मांगी। अशोकन ने एक इंटरव्यू में सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी की थी। इस इंटरव्यू में पतंजलि विज्ञापन केस से जुड़े सवालों पर जवाब दे रहे थे। जस्टिस हिमा कोहली ने अशोकन से कहा कि आप मीडिया को दिए इंटरव्यू में अदालत की निंदा नहीं कर सकते। अभी हम आईएमए अध्यक्ष का माफीनामा मानने को तैयार नहीं हैं। डॉ. अशोकन ने कहा था- सुप्रीम कोर्ट के अस्पष्ट बयानों ने प्राइवेट डॉक्टरों का मनोबल कम किया है। 7 मई को कोर्ट ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी और उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

गौतम को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र के एक्टिविस्ट गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा- हाईकोर्ट के जमानत के ऑर्डर पर स्टे की अवधि बढ़ाने का हमें कोई कारण नजर नहीं आ रहा है। पूरे मामले की सुनवाई खत्म होने में तो कई साल बीत जाएंगे। दरअसल, नवलखा पर 2017 में पुणे में एल्गार परिषद के आयोजित कार्यक्रम में भडक़ाऊ भाषण देने का आरोप है। इसके कारण ही भीमा-कोरेगांव में हिंसा हुई थी। नवलखा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी, जिसके खिलाफ एनआईए ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हॉईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगा दिया था।

टेलीमार्केटिंग करने वाली कंपनियों पर नकेल कसने की तैयारी की रही सरकार

अब नहीं आएंगे पर्सनल लोन-क्रेडिट कार्ड के फर्जी कॉल और मैसेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। आपके मोबाइल पर दिनभर में आने वाले बैंकिंग फ्रॉड काल्स पर सरकार ने पूरी तरह से रोक लगाने की तैयारी कर ली है। ऐसा माना जा रहा है कि सरकार की नई गाइडलाइन बहुत ही सख्त होगी। इससे फर्जी स्पैम कॉल पर रोक लग सकेगी। दरअसल, सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद मार्केटिंग कंपनियां हर बार स्पैम कॉल्स या बिजनेस कॉल्स के लिए कोई न कोई तरीका निकाल लेती हैं। इससे पहले भी टेलीकॉम सेक्टर के नियामक ट्राई ने सभी कंपनियों को कॉल के साथ नाम दिखाने का निर्देश दिया था। लेकिन कुछ कंपनियों को छोड़ किसी ने इस निर्देश का ठीक से पालन नहीं किया। ट्राई ने स्मार्टफोन निर्माताओं को भी यह निर्देश दिया था कि वे भी अपने डिवाइस में यूजर्स को इस तरह के फीचर्स दें। ताकि आम लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो।

इसी वर्ष की शुरुआत में डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स ने स्पैम कॉल्स को रोकने के लिए एक समिति बनाई थी। इस कमेटी ने स्पैम कॉल्स को कंट्रोल करने के लिए नए दिशानिर्देश को लेकर ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। 10 मई को लेकर एक बैठक भी हुई। इसमें टेलीकॉम डिपार्टमेंट, ट्राई, डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स की सचिव निधि खरे, सेलुलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, बीएसएनएल, वोडाफोन, रिलायंस और एयरटेल के अधिकारी शामिल हुए थे। कमेटी की इस बैठक में यह चर्चा हुई कि किस तरह के फोन कॉल्स को स्पैम कॉल की कैटेगरी में रखा जाए। इनमें अवैध कॉल्स और मैसेज की परिभाषा भी तय की गई है। समिति ने नए नियम को लेकर विस्तृत चर्चा कर ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। अब इसे डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स की अंतिम मुहर लगना बाकी है।

बैठक में इस कमेटी ने यूजर्स की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्वीकार किया कि अनचाहे और असमय कॉल्स से यूजर्स को बड़ी परेशानी होती है। इस पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है। ट्राई और टेलीकॉम डिपार्टमेंट इस तरह के कॉल्स को कंट्रोल करने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मार्केटिंग कंपनियों ने हर बार नया रास्ता ढूंढ लिया है। लेकिन इस बार कमिटी इसे लेकर सख्त नियम बना रही है। समिति इसके लिए बैंक, फाइनेंशियल कंपनियों, इंश्योरेंस कंपनियों और ट्रेडिंग कंपनियों को डिजिटल कंटेंट एक्वीजीशन सिस्टम विकसित करने का आदेश भी दिया गया है। यांनी इसके बाद, ग्राहक खुद तय करेंगे कि उनके नंबर पर कॉल्स आने चाहिए या नहीं।

एशियाई मुद्राओं के साथ रुपया भी लुढ़का

मुंबई (ईएमएस)। एशियाई मुद्राओं में गिरावट के रुख की वजह से सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद सोमवार को रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर के लगभग बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया 83.53 पर बंद हुआ, जबकि शुक्रवार को यह 83.50 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया इस साल 16 अप्रैल को 83.54 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। दिन के दौरान 83.50 से 83.54 रुपये प्रति डॉलर के बीच कारोबार हुआ। अमेरिका के महंगाई के आंकड़े बुधवार को जारी होने हैं, उसके पहले एशिया की प्रमुख मुद्राओं में कारोबारी घंटों के दौरान 0.1 प्रतिशत से 0.7 प्रतिशत के बीच गिरावट आई है। अमेरिका के महंगाई दर के आंकड़े आने के बाद बाजार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दर में कटौती किए जाने की उम्मीद है। बाजार के कुछ हिस्सेदारों का कहना है कि केंद्रीय बैंक ने आने वाले चुनाव परिणाम के पहले घरेलू इक्विटी से धन निकासी के दबाव के बीच रुपये को एक निश्चित दायरे में बनाए रखा है। बाजार ?विशेषज्ञों का कहना है ?कि रिजर्व बैंक हर दिन बाजार में है। हम चुनाव परिणाम तक किसी उतार चढ़ाव की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। इस माह के दौरान रुपये का कारोबार 83.30 से 83.70 रुपये प्रति डॉलर के बीच बना रह सकता है। कुछ निवेशकों ने आम चुनाव की अनिश्चितताओं के कारण सावधानी बरतते हुए अलग बने रहने का विकल्प चुना है। कम मतदान की वजह से चिंता हो रही है और कयास लगाए जा रहे हैं कि संभवत: सत्तासीन दल को स्पष्ट जनादेश न मिल पाए। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा ?कि चालू महीने में रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर बना रहेगा। 83.50 रुपये प्रति डॉलर पर जाने के बाद अगला प्रतिरोध 83.65 रुपये प्रति डॉलर का होगा। बाजार के हिस्सेदारों का कहना है कि भूराजनीतिक स्थिति में स्थिरता आने पर अमेरिका में दर दय करने वाले पैनल द्वारा सितंबर में दर में कटौती की उम्मीद है, जिससे रुपये को मदद ?मिल सकती है।

12 साल की रेप विक्टिम को अबॉर्शन की अनुमति

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- नाबालिग की भलाई हमारी प्राथमिकता; 14 साल के भाई ने किया था दुष्कर्म

मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को 12 साल की रेप विक्टिम को अपनी प्रेग्नेंसी टर्मिनेट करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह फैसला उसके कल्याण और सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए दिया। विक्टिम 25 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। जस्टिस संदीप मार्ने और नीला गोखले की वेकेशन बेंच ने मेडिकल बोर्ड की तरफ से दाखिल की गई रिपोर्ट को देखकर फैसले में कहा परिस्थिति की गंभीरता को देखकर हमारे लिए नाबालिग लडक़ी की भलाई और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि है।

बाल सुधार गृह भेजा गया

लडक़ी के साथ उसके अपने 14 साल के भाई ने रेप किया था। मई की शुरुआत में उसने अपनी मां से पेट दर्द की शिकायत की थी। जब मां उसे

जन हितैषी

भारत और ईरान के बीच हुए बंदरगाह समझौता के, अंतर्राष्ट्रीय समीकरण

भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर एक समझौता हुआ है। इस समझौते के अनुसार ईरान ने 10 साल के लिए बंदरगाह संचालन का अधिकार भारत को दे दिया है। इस बंदरगाह का संचालन अब बिना किसी रोक-टोक के भारत कर पाएगा। ईरान के अंदर भारत रोड और रेलवे के लिए भी काम कर रहा है। इस समझौते के बाद भारत का माल परिवहन के क्षेत्र में, अफगानिस्तान, ओमान, खाड़ी के देशों तथा रूस के बीच में सीधा संपर्क हो जाएगा। भारत को अब पाकिस्तान के करांची और ग्वादर बंदरगाह पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ईरान के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत 2018 से विकसित करने के बाद से इसका संचालन कर रहा है। ईरान सरकार और भारत सरकार के बीच में जो समझौता हुआ है, उसके मुताबिक अगले 10 वर्ष तक भारत सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड इस बंदरगाह के समस्त कार्यों और संचालन के लिए अधिकृत हो गई है। इस बंदरगाह के समझौते के बाद भारत सरकार 37 करोड़ डॉलर का निवेश ईरान में करेगी। ईरान के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध लगने के बाद, ईरान अलग-थलग पड़ गया है। भारत सरकार के साथ यह समझौता कई वर्षों से लंबित था। इस समझौते का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होना तय माना जा रहा है। जिसके कारण ईरान और भारत सरकार को फूंक-फूंक कर कदम रखने होंगे। इस समझौते का असर ईरान और पाकिस्तान के संबंधों पर भी पड़ेगा। इस समझौते के बाद भारत सरकार के साथ चीन की दूरियां बढ़ सकती हैं। भारत और रूस का व्यापार तेजी के साथ बढ़ सकता है। इस समझौते का असर भारत और अमेरिका के बीच में पड़ना तय माना जा रहा है। अमेरिका नहीं चाहता था, कि भारत सरकार, ईरान के साथ इस तरह का कोई समझौता करे। इसका असर भारत और इजरायल के संबंधों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। भारत सरकार ने ईरान के साथ जो समझौता बंदरगाह के लिए किया है, वह भारत के लिए बहुत जरूरी था। इस समझौते के बाद खाड़ी के देशों और रूस के साथ भारत का कारोबार बढ़ेगा। कच्चे तेल और गैस के आयात में भी भारत को बड़ी सहायता मिलेगी। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के कारण यह समझौता लंबे समय से टलता चला आ रहा था। इस समझौते के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर और दक्षिण के बीच एक नया परिवहन गलियारा शुरू हो जाएगा। इस नए गलियारे के बनने के बाद चीन और पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा। वहीं भारत और ईरान के कारोबार में वृद्धि होगी।

इस समझौते के बाद चीन के साथ भारत की दूरियां बढ़ना तय माना जा रहा है। चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की इसे काट माना जा रहा है। इस समझौते के बाद ईरान और भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ जाएंगे। ईरान में सड़क निर्माण और रेल निर्माण के क्षेत्र में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। भारत 2018 से इस बंदरगाह के कार्गो का ऑपरेशन संभाल रहा है। 2018 में जो समझौता हुआ था, उसके अनुसार हर साल समझौते का नवीनीकरण करना पड़ता था। अब जो समझौता हुआ है, उसमें भारत के पास ज्यादा अधिकार होंगे। समझौते के अनुसार अब 10 साल के लिए भारत के पास चाबहार बंदरगाह का संचालन होगा, 10 साल बाद नवीनीकरण भी होगा। रूस के साथ अभी जो आयात निर्यात भारत का हो रहा था, उसके लिए करांची बंदरगाह पर भारत और रूस को निर्भर रहना पड़ता था। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसका असर मुक्त व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में पड़ रहा था। भारत के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही एक चिंता का विषय भी है। दरअसल भारत के इजरायल और चीन के संबंधों पर इस समझौते का असर होगा। वहीं अमेरिका की नाराजगी भी कहीं ना कहीं भारत के प्रति हो सकती है। इसके लिए भारत सरकार को सतर्कता बरतनी पड़ेगी। भारत और ईरान के हमेशा से अच्छे रिश्ते रहे हैं। निश्चित रूप से इस समझौते के कारण ईरान और भारत दोनों की आर्थिक एवं सामरिक ताकत बढ़ेगी।

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं।

दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है।

पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी।

भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है।

दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय-समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीडन ही हो रहा है। यही कारण है कि पिछले साल पीओके और गिलगित के लोगों ने पाकिस्तान की भेदभाव वाली नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने इलाकों को भारत के साथ मिलाने को ही अपने हित एवं शांतिपूर्ण जीवन के अनुरूप मानने लगे हैं। इसके लिये किये गये तब के प्रदर्शन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वहां के लोग 'आर-पार जोड़ दो, करगिल को खोल दो' जैसे नारे लगाते नजर आए थे। वहीं, देश भर में गेहूं के आटे की कमी, बलूचिस्तान में उग्रवाद, अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष, पाकिस्तानी तालिबान द्वारा हमलों और एक गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ, पीओके में लोगों ने काफी कड़वे अनुभव किये हैं। निर्वासित पीओके नेता, शौकत अली कश्मीरी भी पीओके में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर करने के लिए दिसंबर से विभिन्न देशों में बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जिनेवा में समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि पाकिस्तान ने 1948 से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है लेकिन बदले में पीओके में लोगों को बेरोजगारी और निर्वासन मिला। अधिकांश लोगों को चिकित्सा सुविधा नहीं होने के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

पीओके के लोग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि गलियारे की आड़ में उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा और भारत के जवाबी हमले उन्हें झेलने पड़ेंगे। चूकि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा, उसकी सैन्य ताकत का मुकाबला करना पाकिस्तान के लिये संभव नहीं रहा है, इसलिये बिना मतलब भारत के आक्रमण को झेलने से स्वयं को बचाने के लिये पीओके के लोग भारत में विलय को ही उचित मानते हैं। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान जिस तरह भारतीय तिरंगा लहराया जा रहा है और भारत में विलय के स्वर उठ रहे हैं, उससे भविष्य में इस विवादित क्षेत्र पर निर्णायक पटकथा लिखे जाने के आसार नजर आ रहे हैं। भारत को पीओके के घटनाक्रम पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, ताकि इससे हमारे सुरक्षा हितों पर प्रतिकूल असर न पड़े एवं भविष्य की नीतियों का निर्धारण करने में सुविधा रहे। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

शुभ विवाह में हल्दी रश्म या फिजूल खर्ची

भारतीय संस्कृति के अनुसार व्यक्ति के जीवन में सोलह संस्कारों का वर्णन किया गया है, इनमें एक पाणिग्रहण संस्कार है। वर्तमान में हमने पाणिग्रहण संस्कार को शुभ विवाह का नाम दे दिया है। आज शुभ विवाह के नाम पर इसमें अनेक कुप्रथाओं ने प्रवेश कर लिया है। हम प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करते हुए शुभ विवाह में दिखावे के नाम पर फिजूल खर्ची कर रहे हैं। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि अमीरों के चक्कर में बेचारा गरीब पीस रहा है। प्री बैडिंग सूट, विवाह में पंगत आयोजित कर दौना पत्तल में भोजन कराने की प्राचीन परंपरा को हम भूल गए हैं। पंगत के स्थान पर स्वरुचि भोज आयोजित होने लगा है। प्लेट में आयटम लेकर खड़े-खड़े भोजन करते हैं। वैभव प्रदर्शन के नाम पर स्वरुचि भोज में पचास से लेकर सौ आयटम बनाते हैं ।हजारों लाखों रुपए के भोजन की बर्बादी हो रही है। रात्री में महिला संगीत का आयोजन किया जाता है। महिला संगीत में महिलाओं द्वारा फिल्मी गानों पर डांस किया जाता है। महिला संगीत में मर्यादा तार तार हो रही है।आजकल ग्रामीण परिवेश में होने वाली शादियों में एक नई रश्म का जन्म हुआ है हल्दी रश्म, हल्दी रश्म के दौरान हजारों रुपए खर्च करके विशेष डेकोरेशन किया जाता है उस दिन दूल्हा या दुल्हन विशेष पीले वस्त्र धारण करते हैं लगभग 2020 से पूर्व इस हल्दी रश्म का प्रचलन ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं पर भी देखने को नहीं मिलता था। लेकिन पिछले दो-तीन साल में इसका प्रचलन बहुत तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ा है ।पहले हल्दी रश्म के पीछे कोई दिखावा नहीं होता था, बल्कि तार्किकता होती थी। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में आज की तरह साबुन व शैंपू नहीं थे और ना ही ब्यूटी पार्लर थे इसलिए हल्दी की उबटन घिस-घिस कर दूल्हे दुल्हन के चेहरे व शरीर से मृत चमड़ी और मैल को हटाने, चेहरे को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए हल्दी, चंदन, आटा, दूध से तैयार उबटन का प्रयोग करते थे। ताकि दूल्हा-दुल्हन सुंदर लगे। इस काम की जिम्मेदारी घर परिवार की महिलाओं की थी। लेकिन आजकल की हल्दी रस्म मोडिफाइड, दिखावटी और महंगी हो गई है। जिसमें हजारों रुपए खर्च कर डेकोरेशन किया जाता है। महंगे पीले वस्त्र पहने जाते हैं दूल्हा दुल्हन के घर जाता है और पूरे वातावरण कार्यक्रम को पीतांबरी बनाने के भरसक प्रयास किए जाते हैं। शुभ विवाह में सभी परिजन रिस्तेदारो पुरुष एवं महिलाएं भी पीले वस्त्र पहनते हैं।यह पीला ड्रामा घर के मुखिया के माथे पर तनाव की लकीरें खींचता है। जिससे चिंता में पसीना टपकता है। हल्दी रश्म की तरह ही मेंहदी रश्म के आयोजन में वैभव प्रदर्शन के नाम पर भारी फिजूलखर्ची हो रही है।पुराने समय में जहां कच्ची छतों के नीचे पक्के इरादों के साथ दूल्हा दुल्हन बिना किसी दिखावे के फेरे लेकर अपना जीवन आनंद के साथ शुरू करते थे। लेकिन आज पक्के इरादे कम और दिखावा और बनावटी पन ज्यादा होने लगा है आजकल देखने में आ रहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक रूप से अक्षम परिवार के लड़के भी इस शहरी बनावटी पन में शामिल होकर परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा रहे हैं। क्योंकि उन्हें अपने छुटभैये नेताओं, वन साइड हेयर कटिंग वाले या लंबे बालों वाले सिगरेट का धुआं उड़ाते दोस्तों को अपना ठसका दिखाना होता है। इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि के लिए रील बनानी है

।बेटे के रील बनाने के चक्कर में बाप की कर्ज उतारने में ही रील बन जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे घरों में फिजूल खर्ची मैं पैसा पानी की तरह बहाया जाता है।जिनके मां-बाप ने हाड़-तोड़ मेहनत और पसीने की कमाई से पाई पाई जोड़कर मकान का ढांचा तैयार किया, लेकिन यह नवयौवन लड़के लड़कियां बिना समझे अपने मां-बाप की हैसियत से विपरीत जाकर अनावश्यक खर्च करते हैं। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति नहीं है उन परिवारों के बच्चों को मां-बाप से जिद करके इस तरह के फिजूल खर्ची नहीं करवानी चाहिए। आजकल काफी जगह यह भी देखने को मिलता है कि बच्चे जिनकी शादी है मां-बाप से कहते हैं आप कुछ नहीं जानते आपको समझ नहीं है, आपकी सोच वही पुरानी अनपढ़ों वाली रहेगी। यह कहते हुए अपने माता-पिता को गबांरू पिछड़ा कहते हैं। मैं जब भी यह सुनता हूं सोचने को विवश हो जाता हूं, पांव अस्थिर हो जाते हैं बड़ी चिंता होती है कि मेरा युवा छोटा भाई बहन या बेटा-बेटी किस दिशा में जा रहे हैं इस तरह की फिजूलखर्ची बाली रश्मों को रोकने के समाचार पढ़कर खुशी होती है लेकिन अपने घर परिवार समाज गांव में ऐसे कार्यक्रम में शरीक होकर लुत्फ लोग तो उठा रहे हैं।फोटो खिचवा कर स्टेटस लगा रहे हैं। (लेखक-विजय कुमार / ईएमएस) (नोट -लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं।)

आज का इतिहास 15 मई

1567 जेनीओ ने कोर्सिका द्वीप फ्रांस को बेच दिया.
1796 नेपोलियन बोनापार्ट अपनी फौज के साथ मिलान 'इटली 'पहुंचा.
1848 आस्ट्रिया का नया संविधान विद्रोह के कारण रद्द कर दिया गया.
1859 फ्रांसीसी वैज्ञानिक पियरे क्यूरी का जन्म हुआ.
1873 ईस्ट इंडिया कंपनी को भंग करने का प्रस्ताव इंग्लैंड में पारित हुआ.
1924 राष्ट्रीयता के आधार पर आब्रजन कोटा निर्धारित करने का विधेयक अमरीकी कांग्रेस ने मंजूर किया.
1940 द्वितीय विश्व युद्ध में नीदरलैंड्स ने जर्मनी के आगे हथियार डाल दिए.
1957 ब्रिटेन ने पहली बार थोंन्यूक्लीयर बम का विस्फोट किया.
1958 उपहार कर प्रभावी हुआ.
1962 लाओस की रक्षा के लिए अमरीका ने थाईलैंड में चार हजार सैनिक तैनात किए.
1971 मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात ने मंत्रिमंडल से अपने विरोधियों को हटा दिया.
1976 ईरान ने इराक के साथ मैत्री संधि को मंजूरी दी.
1989 सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव ने पेइचिंग में दोनों देशों के मतभेद समाप्त होने की घोषणा की.
1991 फ्रांस के प्रधानमंत्री माइकल रोकार्ड ने इस्तीफा दिया.
1996 अटलबिहारी वाजपेयी देश के नये प्रधानमंत्री बने.
1997 हवाला कांड के आरोपी भारतीय जनता पार्टी के नेता मदनलाल खुराना विशेष अदालत से आरोप मुक्त हुए.
1999 भाजपा और साझा दलों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन नामक औपचारिक मोर्चा बनाया.

शब्द पहेली - 8007

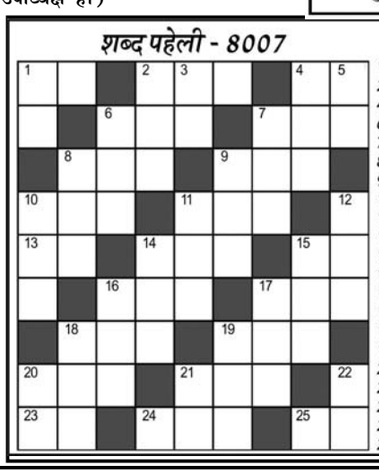

बाएँ से दाएँ

1.जी,इच्छा,चित्त-2
2.तन,बदन,देह-3
4.अग्निदग्ध-2
6.रनिवास (उर्दू-3)
7.स्नान करना-3
8.विश्राम-3
9.राजा,सम्राट-3
10.वचन,प्रतिज्ञा-3
11.तरंग,हिलोर-3
13.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14.सही का विलोम-3
15.सद्पुरुष-2
16.पाठ,शिक्षा-3
17.कर्ता,कार्य करने वाला-3
18.इज्जत,मान,सम्मान-3
19.सब कुछ छीन लेना-2
20.भवन,प्रासाद-3
21.वजह-3
23.खेल दिखाने वाला-2
24.पेन,लेखनी-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.राय,वोट,अभिप्राय-2
2.लाज,लज्जा-2
3.500 कागजों की गड्डी -2
4.दुनिया,जगत-3
5.लेकर आना-2
6.अवैध,नाजायज-3
7.निगाह,दृष्टि-3
8.बैठने की जगह-3
9.आराम,मदद-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.लगन,जिद,उत्साह-3
12.दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14.जवान,तरुण-3
15.रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16.दुर्बल का विलोम-3
17.वजह-3
18.पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19.रनिवास (उर्दू-3)
20.जी,इच्छा,चित्त-2
21.समयगति-2
22.देह,बदन-2

शब्द पहेली -8006 का हल

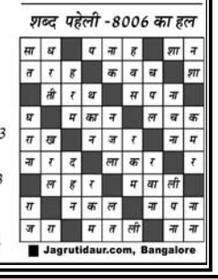

Jagrutidaur.com, Bangalore

पटना से चुनाव में घटेगी नई घटना

मोदीजी ने जिस तरह पटना के लोगों को रोड शो किया और पहले क़ोई भी प्रधानमंत्री ने किसी कारण से पटना में रोड शो नहीं किया कुछ गाँधी मैदान से तो यदि किसी रोड पर भी निकलें तो सुरक्षा इतनी टाईट रहती की दूर से देखना भी मुश्किल हो जाता दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को बाहर कोर्ट के अंतरिम ज़मानत से चुनाव हेतु निकल तो गए है लेकिन यह नहीं सोच रहें है कि कांग्रेस ने ऐसी फील्डिंग लगा दी है कि आप का घोषणा- पत्र क़ोई काम का नहीं होगा क्योंकि जनाधार सिर्फ दिल्ली और पंजाब में है इससे आप पार्टी का ही नुकसान है क्योंकि कांग्रेस से ही नुकसान होने वाला है अगर किसी तरह बहुमत के करीब भी आते हैं तो राहुल गाँधी पहले ही प्रधानमंत्री का मन बना चुके हैं अतः वहाँ ज्यादा विकल्प है अतः उस घोषणा पत्र कैसे लागू होगा ऐ बात बिलकुल सही है कि लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है और इसके बिना तो लोकतंत्र की परिकल्पना करना भी मुश्किल है क्योंकि चुनाव का यह विशेष अधिकार किसी भी लोकतांत्रिक देश के व्यक्ति को यह शक्ति देता है कि वह अपने नेता को चुन सके तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्ता परिवर्तन भी कर सके। एक देश के विकास के लिए चुनाव बहुत अहम प्रक्रिया है क्योंकि यह देश के राजनेताओं में इस बात का भय पैदा करता है कि यदि वह जनता का दमन या शोषण करेंगे तो चुनाव के समय जनता अपनी वोटों के ताकत द्वारा उन्हें सत्ता से बाहर कर सकती है।लेकिन उसके लिए पूर्ण भारत में जनाधार चाहिए जो शायद इंडि गठबंधन को भी ना मिले क्योंकि विपक्ष में बहुत कंफ्यूजन है और पंजाब में क्या कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रचार नहीं करेंगी वहाँ तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में ही सीधी टक्कर है बीजेपी का वहाँ उतना जनाधार नहीं है अतः केजरीवाल जी के बाहर आने से दिल्ली में ही कुछ फर्क दिख सकता है लेकिन वहाँ कांग्रेस को नुकसान होगा शायद उस गठबंधन को जनता ना माने देखिए गठबंधन भी तभी जमता है जब विचार मिलते हो लोग नहीं देख रहें हैं कि इंडि गठबंधन में कौन कौन है जिसने बिहार को बर्बादी के कगार पर छोड़ दिया वो क्या कांग्रेस को चलने देंगे आखिर बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार क्यों छोड़ दिए क्योंकि बाद में मालून हुआ प्रधानमंत्री का कई दावेदार हैं और बहुत मुश्किल से उनकी कुर्सी एनडीए के साथ मिलने से हुआ क्यों आखिर पप्पू यादव को निर्दलीय ही चुनाव में जाना पड़ा ऐ सब ऐसे सबाल है जिसे जनता देख रही है और बिहार अब बहकावे में नहीं आने वाला है क्योंकि पहले यहाँ इतना गुंडागर्दी थी कि क़ोई विपक्षी दल रोड शो कर ही नहीं सकता ऐ नीतीश कुमार ने जंगल राज से बीजेपी के माध्यम से बाहर निकाला अतः इंडि गठबंधन में सभी अपने अपने मतलब के लिए है।आखिर मोदीजी राहुल के बारे में क्यों बोलते है क्योंकि उनका भी मज़ाक देश में ही नहीं विदेशी में उड़ाया गया है कि लोकतंत्र ख़त्म हो गया लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक देश में चुनाव काफी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और क्योंकि भारत को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रुप में भी जाना जाता है, इसलिए भारत में चुनावों को काफी अहम माना जाता है। आजादी के बाद से भारत में कई बार चुनाव हो चुके और इन्होंने देश के विकास को गति देने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया। यह चुनाव प्रक्रिया ही है, जिसके कारण भारत में सुशासन, कानून व्यवस्था तथा पारदर्शिता जैसी चीजों को बढ़ावा मिला है। यह चुनाव प्रक्रिया है जिसने दिन-प्रतिदिन भारत में लोकतंत्र के नींव को और भी मजबूत किया है। यहीं कारण है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव इतना महत्वपूर्ण स्थान रखते है। पटना में क़ोई भी बड़ा नेताओं ने कभी भ्रमण नहीं किया क्योंकि जंगलराज का डर था अपहरण लूट, दुकानों से लूटना वहाँ एक व्यवस्था थी डर का आलम था जिसे नीतीश कुमार ने दूर किया मोदीजी ने जिस तरह पटना के लोगों को रोड शो किया और पहले क़ोई भी प्रधानमंत्री ने किसी कारण से पटना में रोड शो नहीं किया कुछ गाँधी मैदान से तो यदि किसी रोड पर भी निकलें तो सुरक्षा इतनी टाईट रहती की दूर से देखना भी मुश्किल हो जाता दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को बाहर कोर्ट के अंतरिम ज़मानत से चुनाव हेतु निकल तो गए है लेकिन यह नहीं सोच रहें है कि कांग्रेस ने ऐसी फील्डिंग लगा दी है कि आप का घोषणा- पत्र क़ोई काम का नहीं होगा क्योंकि जनाधार सिर्फ दिल्ली और पंजाब में है इससे आप पार्टी का ही नुकसान है क्योंकि कांग्रेस से ही नुकसान होने वाला है अगर किसी तरह बहुमत के करीब भी आते हैं तो राहुल गाँधी पहले ही प्रधानमंत्री का मन बना चुके हैं अतः वहाँ ज्यादा विकल्प है अतः उस घोषणा पत्र कैसे लागू होगा ऐ बात बिलकुल सही है कि लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है और इसके बिना तो लोकतंत्र की परिकल्पना करना भी मुश्किल है क्योंकि चुनाव का यह विशेष अधिकार किसी भी लोकतांत्रिक देश के व्यक्ति को यह शक्ति देता है कि वह अपने नेता को चुन सके तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्ता परिवर्तन भी कर सके। एक देश के विकास के लिए चुनाव बहुत अहम प्रक्रिया है क्योंकि यह देश के राजनेताओं में इस बात का भय पैदा करता है कि यदि वह जनता का दमन या शोषण करेंगे तो चुनाव के समय जनता अपनी वोटों के ताकत द्वारा उन्हें सत्ता से बाहर कर सकती है। लेकिन उसके लिए पूर्ण भारत में जनाधार चाहिए जो शायद इंडि गठबंधन को भी ना मिले क्योंकि विपक्ष में बहुत कंफ्यूजन है और पंजाब में क्या कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खिलाफ प्रचार नहीं करेंगी वहाँ तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में ही सीधी टक्कर है बीजेपी का वहाँ उतना जनाधार नहीं है अतः केजरीवाल जी के बाहर आने से दिल्ली में ही कुछ फर्क दिख सकता है लेकिन वहाँ कांग्रेस को नुकसान होगा शायद उस गठबंधन को जनता ना माने देखिए गठबंधन भी तभी जमता है जब विचार मिलते हो लोग नहीं देख रहें हैं कि इंडि गठबंधन में कौन कौन है जिसने बिहार को बर्बादी के कगार पर छोड़ दिया वो क्या कांग्रेस को चलने देंगे आखिर बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार क्यों छोड़ दिए क्योंकि बाद में मालून हुआ प्रधानमंत्री का कई दावेदार हैं और बहुत मुश्किल से उनकी कुर्सी एनडीए के साथ मिलने से हुआ क्यों आखिर पप्पू यादव को निर्दलीय ही चुनाव में जाना पड़ा ऐ सब ऐसे सबाल है जिसे जनता देख रही है और बिहार अब बहकावे में नहीं आने वाला है क्योंकि पहले यहाँ इतना गुंडागर्दी थी कि क़ोई विपक्षी दल रोड शो कर ही नहीं सकता ऐ नीतीश कुमार ने जंगल राज से बीजेपी के माध्यम से बाहर निकाला अतः इंडि गठबंधन में सभी अपने अपने मतलब के लिए है।आखिर मोदीजी राहुल के बारे में क्यों बोलते है क्योंकि उनका भी मज़ाक देश में ही नहीं विदेशी में उड़ाया गया है कि लोकतंत्र ख़त्म हो गया लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक देश में चुनाव काफी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और क्योंकि भारत को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रुप में भी जाना जाता है, इसलिए भारत में चुनावों को काफी अहम माना जाता है। आजादी के बाद से भारत में कई बार चुनाव हो चुके और इन्होंने देश के विकास को गति देने का एक महत्वपूर्ण कार्य किया। बिहार ही नहीं बल्कि उन सभी राज्यों में एनडीए की सरकार हुई वहाँ चुनाव सही तरीक़े से हुआ चुनाव प्रक्रिया ही है, जिसके कारण भारत में सुशासन, कानून व्यवस्था तथा पारदर्शिता जैसी चीजों को बढ़ावा मिला है। यह चुनाव प्रक्रिया है जिसने दिन-प्रतिदिन भारत में लोकतंत्र के नींव को और भी मजबूत किया है। यहीं कारण है कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव इतना महत्वपूर्ण स्थान रखते है।पटना से चुनाव में जरूर क़ोई नई घटना घटेगी जो चुनाव में दिखेगा और ऐ बात दूर तलक जाएगी क्योंकि वो मामूली स्थान नहीं है वहाँ सिखों के दसवे गुरु श्रीगुरु गोविंद सिंहजी का जन्मस्थान है और वहाँ मोदीजी आशीर्वाद लेने जा रहें है जो गुरु की कृपा से अवश्य पूर्ण होगा। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

खेल - समाचार

तो आरसीबी और सीएसके दोनों ही प्लेऑफ में बना सकती हैं जगह

नई दिल्ली (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दोनो ही टीमें अभी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं। अब तक खेले गए 13 मैचों में सातवीं जीत के साथ ही सीएसके अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है जबकि 13 मैचों में छह जीत के साथ आरसीबी 5वें नंबर पर पहुंच है। अब इन दोनो के बीच 18 मई को लीग चरण में अंतिम मुकाबला होगा। इसमें जीत ने वाले टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी। वहीं अन्य टीमों के समीकरण अगर सही नहीं रहे तो इन दोनो को ही प्

पंजाब किंग्स को हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

गुवाहाटी (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स की टीम बुधवार को यहां पंजाब किंग्स को आईपीएल लीग मुकाबले में हराकर प्ले ऑफ के लिए अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। राजस्थान ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और वह अभी 16 अंकों के साथ ही अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छी लय में है जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। उसके बल्लेबाजों ओर गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है जिससे टीम को इस सत्र में मुश्किल हालातों का सामना करना पड़ा है।

पंजाब किंग्स के लिए इस सत्र में शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने ही अच्छा प्रदर्शन किया है पर अन्य खिलाड़ी रन नहीं बना पाये हैं जिससे टीम को बड़ी सफलता नहीं मिल पायी। शुरुआत में ही चोटिल होने के कारण कप्तान शिखर धवन बाहर हो गये जिसके बाद से ही सैम कुरेन टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। वहीं राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन के साथ ही कप्तानी भी की है। सैमसन ने अब तक अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक 486 रन बनाये हैं। इस मैच में राजस्थान टीम के युवा रियान पराग अपने घरेलू मैदान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाना चाहेंगे। पराग के लिए ये सत्र काफी अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने अब तक 153 के स्ट्राइक रेट से 483 रन बनाये हैं।

वहीं टीम के एक अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 344 रन और जोस बटलर ने 359 रन बनाये हैं। रॉयल्स की गेंदबाजी काफी अच्छी है। उसके गेंदबाजों ने पूरे सत्र के साथ ही डेथे ओवरों में भी प्रभावी प्रदर्शन किया है। तेज गेंदबाजों संदीप शर्मा का 8.07 का इकोनॉकी रेट रहा है जबकि ट्रेंट बोल्ट का 8.38 का रहा है। इसके अलावा स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल ने भी विरोधी टीमों पर अंकश लगाये रखा है। ऐसे में पंजाब के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन के इंग्लैंड लौटने से भी टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी प्रभावित होगी। टीम की ओर से अब तक गेंदबाजी में केवल हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह ही प्रभावी रहे हैं। बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम में केवल जॉनी बेयरस्टो ही रन बना पाये हैं। प्रभसिमरन सिंह के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स: सैम कुरेन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, कागिसो रबादा , हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पावेल, टॉम कोहलर-केडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन।

दिल्ली में इनकम टैक्स की बिल्डिंग में लगी आग, 1 कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के इनकम टैक्स के ऑफिस में 14 मई मंगलवार को आग लग गई। बताया जा रहा है कि इस घटना में एक शख्स की इस घटना में मौत हो गई। हालांकि, फ्रायर डिपार्टमेंट ने मौत की पुष्टि नहीं की है। दोपहर 2 बजकर 38 मिनट पर फायर की मिली सूचना। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया। 7 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया, जिसमें 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल थीं। एक 46 साल का शख्स बेहोशी की स्थिति में पाया गया और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक ऑफिस सुपरिटेंडेंट के तौर पर वहां काम कर रहे थे। घटना के बाद आयकर विभाग में काम करने वाले सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तीसरी मंजिल पर आ लगी थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई जो मौके पर मौजूद रही। तीसरी मंजिल जहां आग लगी है पर धुआं ज्यादा था। उन्हें क्रेन की मदद से बालकनी से बाहर लाया गया। कुछ लोगों को तुरंत एंबुलेंस में बिठाकर अस्पताल भेजा गया।

केरल के मंदिरों में नहीं चढ़ाया जाएगा कनेर का फूल

-ढाई हजार से ज्यादा मंदिरों का प्रबंधन देखने वाले दो मंदिर बोड्र्स ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (ईएमएस)। केरल सरकार द्वारा नियंत्रित दो मंदिर न्यासों ने मंदिरों में ओलिएंडर प्रजाति के फूल यानी कनेर फूल की एक किस्म के चढ़ाए जाने पर पाबंदी लगा दी। ये मंदिर न्यास 2500 से ज्यादा मंदिरों की देखरेख करते हैं। स्थानीय भाषा में अरली कहलाते इन फूलों के बारे में कहा जाता रहा कि ये जहरीले होते हैं। अब एक युवा नर्स की मौत ने मामले को तूल दे दी, और आनन-फानन ही मंदिर कमेटी ने फूलों पर ही बैन लगा दिया।

ये फैसला 24 साल की नर्स सूर्या सुरेंद्रन की मौत के बाद लिया गया। सुरेंद्रन जो कि यूके में नई नौकरी के लिए जाने के लिए तैयार थी, उन्होंने लापरवाही में घर पर उगे कनेर की कुछ पत्तियां खा लीं। इसके बाद वे एयरपोर्ट के लिए निकल गईं, जहां उनमें पॉइजनिंग के लक्षण दिखे। कोच्चि एयरपोर्ट पर सुरेंद्रन ने बताया कि उन्होंने आखिरी चीज फूल के पत्ते खाए थे। कुछ दिनों के भीतर अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पीएम में भी पॉइजनिंग की पुष्टि हुई। दक्षिण केरल में कथित तौर पर ओलिएंडर खाने से ही पशुओं की भी मौत हो चुकी।

इन बोड्र्स ने लिया फैसला

नर्स की मौत के बाद मामला गरमाया और ये डर बढ़ा कि फूल किसी बड़े हादसे का कारण न बन जाएं। बता दें कि केरल समेत देशभर के मंदिरों में ओलिएंडर के फूल चढ़ाया जाना आम है। अपने यहां की घटना को देखते हुए राज्य सरकार के मंदिर न्यास ने फैसला लिया कि मंदिरों में ये फूल नहीं चढ़ाया जाएगा। जिन दो बोड्र्स ने ये तय किया, वे त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) और मालाबार देवस्वोम बोर्ड (एमडीबी) हैं।

क्या है ओलिएंडर फूल

ओलिएंडर का पूरा नाम नेरियम ओलिएंडर है, जिसे रोजबे भी कहा जाता है। आमतौर पर उष्णकटिबंधीय देशों में उगने वाले फूल की खासियत है कि ये सूखे में भी जल्दी नहीं मुरझाता। इसी खूबी की वजह से इसे लैंडस्केपिक सौंदर्य के लिए भी उगाया जाता है। जैसे केरल की ही बात लें तो वहां के हाईवे और बीच के आसपास ओलिएंडर खूब उगाए गए हैं। ये सुंदर भी लगते हैं और पानी के बिना लंबे समय तक जिंदा भी रह जाते हैं, मतलब लो-मेंटेनेंस हैं। केरल में अरली या कनवीरम कहलाते इस फूल को उत्तर भारत में कनेर भी कहते हैं। लेकिन इसकी कई किस्में होती हैं और हर किस्म का रंग-गंध अलग रहता है, जिस हिसाब से उसका नाम भी बदल जाता है। ये पीले, गुलाबी और सफेद रंग के होते हैं।

क्या है मेडिसिनल इस्तेमाल

आयुर्वेदिक फार्माकोपिया ऑफ इंडिया एक सरकारी डॉक्युमेंट है। इसमें ओलिएंडर से बनने वाली दवाओं के बारे में बताया गया। इंडियन एक्सप्रेस में इसके हवाले से लिखा है कि ओलिएंडर की जड़ और छाल से बनने वाले तेल से स्किन की बीमारियों का इलाज होता है। चरक संहिता समेत कई आयुर्वेदिक ग्रंथों में इसका जिक्र है। कहा गया है कि पुरानी से पुरानी स्किन डिसीज में इससे फायदा होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड मेडिकल साइंसेज में साल 2016 में इसपर लेख आ चुका है, जो दावा करता है कि कुष्ठ जैसी बीमारी में भी इसे लेने से काफी लाभ होता है।

साइबर अपराधियों द्वारा ब्लैकमेल और डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं के खिलाफ अलर्ट जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (ऍंड्) पर साइबर अपराधियों द्वारा पुलिस अधिकारियों, केंद्रीय जांच ब्यूरो (ऍंद), नारकोटिक्स विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, प्रवर्तन निदेशालय और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां का रूप धारण कर धमकी, ब्लैकमेल, जबरन वसूली और डिजिटल अरेस्ट जैसी वारदातों को अंजाम देने के संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज हो रही हैं।

ये धोखेबाज आमतौर पर पीड़ित को कॉल करके कहते हैं कि पीड़ित ने कोई पार्सल भेजा है या प्राप्त किया है जिसमें अवैध सामान, ड्रग्स, नकली पासपोर्ट या कोई अन्य प्रतिबंधित वस्तु है। कभी-कभी, वे यह भी सूचित करते हैं कि पीड़ित का कोई करीबी या प्रिय व्यक्ति किसी अपराध या दुर्घटना में शामिल पाया गया है और उनकी हिरासत में है। ऐसे कथित केस में समझौता करने के लिए पैसे की मांग की जाती है।

कुछ मामलों में, पीड़ितों को डिजिटल अरेस्ट का सामना करना पड़ता है और उनकी मांग पूरी न होने तक पीड़ित को स्काइप या अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर धोखेबाजों के लिए उपलब्ध रहने पर मजबूर किया जाता है। ये जालसाज़ पुलिस स्टेशनों और सरकारी कार्यालयों की तर्ज पर बनाए गए स्टूडियो का उपयोग करने में माहिर होते हैं और असली दिखने के लिए वर्दी पहनते हैं।

देशभर में कई पीड़ितों ने ऐसे अपराधियों के जाल में फंस कर बड़ी मात्रा में धन गंवाया है। यह एक संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध है और ऐसा माना जाता है कि इसे सीमापार आपराधिक सिंडिकेट द्वारा संचालित किया जाता है।

गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ध्ऍ), देश में साइबर अपराध से निपटने से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करता है। गृह मंत्रालय इन साइबर अपराधों से निपटने के लिए अन्य मंत्रालयों और उनकी एजेंसियों, भारतीय रिजर्व बैंक (ँद) और अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ध्ऍ ऐसे मामलों की पहचान और जांच के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को इनपुट और तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है।

तंगहाल पाकिस्तान सभी सरकारी कंपनियां बेचेगा

पाक एयरलाइन्स बेचने से शुरूआत होगी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। आर्थिक संकट और आईएमएफ की कड़ी शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान ने सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में प्राइवेटाइजेशन कमीशन की मीटिंग में मंगलवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा, बिजनेस करना सरकार का काम नहीं है, सरकार का काम बिजनेस और देश में निवेश के लिए अच्छा माहौल देना है।

शरीफ ने कहा कि सभी सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा चाहे मुनाफा कमा पा रही हों या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार सिर्फ उन कंपनियों को अपने पास रखेगी जो रणनीतिक रूप से अहम हैं। प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों से अपील की है कि वो प्रक्रिया का आसान बनाने में प्राइवेटाइजेशन कमीशन का सहयोग करें। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास 88 सरकारी कंपनियां हैं।

कंपनियों की बोली लगेगी, टीवी पर दिखेगा

शहबाज शरीफ ने कंपनियों को बेचने की घोषणा 12 मई को आईएमएफ की एडवांस टीम के पाकिस्तान दौरे के बाद की है। आईएमएफ के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में पाकिस्तान ने लंबे वक्त के लिए बड़े लोन की मांग की थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि कंपनियों को बेचने की प्रोसेस को पारदर्शिता से पूरा किया जाएगा। पिछले हफ्ते 24 कंपनियों की लिस्ट बनाई गई, जिन्हें प्राइवेटाइजेशन के पहले फेज में बेचा जाएगा। सबसे पहले पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन कंपनी लिमिटेड को प्राइवेटाइज किया जाएगा। इसकी बोली लगेगी और उसे टीवी पर लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। पाकिस्तान में कंपनियों को बेचने के प्रोग्राम को प्राइवेटाइजेशन प्रोग्राम 2024-2029 नाम दिया गया है। इसमें पाकिस्तान की बिजली कंपनियां भी शामिल हैं। सबसे पहले उन कंपनियों को बेचा जाएगा जो घाटे में हैं। उनके बाद मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा।

आईएमएफ के दबाव में किया फैसला

पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट पैकेज मिलने के बाद से कई कड़े फैसले लेने पड़े हैं। पाकिस्तान ने आईएमएफ के दबाव में आकर सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। इससे पहले जब पिछले साल पाकिस्तान को आईएमएफ से 10 हजार करोड़ रुपए का पैकेज मिला था, तब भी शरीफ सरकार को कई कड़े फैसले लेने को कहा गया था। आईएमएफ ने हर तरह की सब्सिडी खत्म करने, पेट्रोल-डीजल और बिजली 30 प्रतिशत तक महंगी करने और टैक्स कलेक्शन 10 प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग की थी।

एयरपोर्ट और बंदरगाहों पहले ही बेच चुकी सरकार

पाकिस्तान आर्थिक तंगहाली से निकलने की हर संभव कोशिश कर रहा है। इस कड़ी में न सिर्फ सरकारी कंपनियां बल्कि पाकिस्तान अपने बंदरगाहों और एयरपोर्ट्स तक पर बेच चुका है। पाकिस्तान ने पिछले साल इस्लामाबाद एयरपोर्ट को ठेके पर देने का फैसला किया था। पूर्व एविएशन मिनिस्टर ख्वाजा साद रफीक ने संसद में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, साद रफीक ने कहा था कि ठेके पर देने का मतलब ये नहीं है कि सरकार एयरपोर्ट को बेच रही है, बल्कि अच्छे ऑपरेटर को एयरपोर्ट के काम में शामिल करने के लिए ऐसा

शी के बुलावे पर गुरुवार को बीजिंग पहुंच रहे पुतिन

बीजिंग (ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह चीन की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आ रहे है। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि पुतिन गुरुवार से शुरू होने वाली अपनी यात्रा के दौरान चीनी नेता शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले है।

क्रेमलिन ने यात्रा की पुष्टि कर कहा कि पुतिन शी के निमंत्रण पर जा रहे हैं। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने और कार्यालय में अपना पांचवां कार्यकाल शुरू करने के बाद पुतिन की यह पहली विदेश यात्रा होगी। उल्लेखनीय है कि महाद्वीप के आकार के दो सत्तावादी राज्य, जिनका लोकतंत्रों और नाटो के साथ विवाद बढ़ रहा है। वह अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका में प्रभाव हासिल करना चाहते हैं। चीन ने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए रूस के इस दावे का समर्थन किया है कि राष्ट्रपति पुतिन ने पश्चिमी उकसावे के कारण 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था।

सिख फॉर जस्टिस के 3 सदस्य गिरफ्तार

बठिंडा (ईएमएस)। दिल्ली और पंजाब में खालिस्तानी समर्थक नारे लिखने के आरोप में आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि 27 अप्रैल को बठिंडा के जिला प्रशासनिक परिसर और कोर्ट परिसर की दीवारों पर खालिस्तानी समर्थक नारे लिखे गए थे। 9 मई को दिल्ली के झंडेवालान और करोलबाग मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तानी समर्थक नारे लिखे गए थे। इसी मामले में बठिंडा काउंटर-इंटेलिजेंस और पुलिस ने स्स्नछ्व के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

रुस का सामना नहीं कर पा रही यूक्रेन की सेना,खो दिया दूसरा बड़ा शहर

खारकीव(ईएमएस)।हथियारों की कमी और मनोबल गिरने से यूक्रेनी सेना युद्ध में पिछड़ रही है। उधर, रूसी सेना विस्फोटक हमलों से यूक्रेनी शहरों को तबाह कर रहे हैं और उसने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के नौ इलाकों पर कब्जा भी कर लिया है। रूसी सेना खारकीव में काफी अंदर आ चुकी है और लगातार आगे बढ़ रही है। फरवरी 2022 से शुरू हुए इस युद्ध के बाद यूक्रेन ने खारकीव को वापस हासिल कर लिया था, अब रूस ने एक बार फिर खारकीव पर कब्जा कर लिया है। अपनी सेना की इस जीत से व्लादिमीर पुतिन गदगद हैं।कुल मिलाकर खारकीव, यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग खतरनाक हो गई है।

रूस ने बीते शुक्रवार को सीमा पार से घुसपैठ के बाद खारकीव पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू होने के बाद यह रूस के लिए बड़ी जीत मानी जा रही है, जमीनी हमले में रूस कम से कम नौ गांवों और बस्तियों पर अपना कब्जा कर चुका है। हजारों की संख्या में लोग अपना स्थान छोड़कर भाग चुके हैं। उधर, यूक्रेनी कमांडरों को इस बात की चिंता है कि अगर रूसी सैनिक शहर की तोपखाने की सीमा के भीतर आ गए तो बड़ी तबाही हो सकती है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि रूस ने अपने नवीनतम हमले में अपनी पांच प्रमुख बटालियन तैनात किए हैं और स्वीकार किया कि मॉस्को के सैनिकों को खारकीव में कुछ सफलताएं मिली हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों की तरफ से हथियारों की सप्लाई सुस्त या फिर बंद हो गई है। इससे यूक्रेन की सेना का मनोबल भी गिरा है और हथियारों की कमी से वे रूसी सेना के आगे टिक नहीं पा रहे हैं। रूस ने कहा है कि उसकी सेनाएं यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के पास उत्तर-पूर्वी सीमावर्ती शहर वोवचांस्क में प्रवेश कर गई हैं। रूसी सेना खारकीव में दो किलोमीटर तक अंदर आ गई है।

हमले से बचाव कर रही यूक्रेनी सेना

एक तरफ रूसी सेना ने खारकीव के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है। दूसरी तरफ यूक्रेनी सेना लोगों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने में लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के सैन्य अधिकारी शहर में घर-घर जाकर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। रूसी सेना फरवरी 2022 के बाद शुरू हुए युद्ध में अपनी पुरानी नीति के तहत शहरों को बर्बाद करने में लगी है। दिन भर शहर के ऊपर रूसी विमानों को देखा जा रहा है। हालांकि रूस को मिलती बढ़त के बीच यूक्रेनी अधिकारी उम्मीद जता रहे हैं कि जल्द ही रूसी सेना को पछाड़ लिया जाएगा और शहर में स्थिति फिर बहाल कर दी जाएगी।

पीओके में चौथे दिन भी पहिया-जाम हड़ताल जारी, कश्मीरी एक्टिविस्ट चिंतित

ग्लासगो (ईएमएस)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लोगों के विरोध प्रदर्शन को शांत करने के लिए पाकिस्तानी सैन्य रेंजरों को तैनात किया गया है। राजधानी मुजफ्फराबाद में स्थिति बिगड़ती जा रही है। यहां लोगों के विरोध प्रदर्शन करने वालों पर दिनदहाड़े हत्या करने का अल्टीमेटम दे दिया है। बता दें कि व्हील जाम हड़ताल लगातार चौथे दिन जारी है। अशांति के बीच अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हो रही है।

स्कॉटलैंड में रहने वाले पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने इस लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फराबाद में स्थिति बहुत गंभीर बनी हुई है। कश्मीरी एक्टिविस्ट ने कहा कि यह दिनदहाड़े हत्या है, जो पीओके में हो रही है। हमारी जान खतरे में है। दरअसल, यह अशांति मंगला बांध से टैक्स फ्री बिजली और गेहूं के आटे पर सब्सिडी की मांग को लेकर अवामी एक्शन कमेटी द्वारा शुरू की गई पहिया-जाम हड़ताल से उपजी है। लगातार चौथे दिन जारी यह हड़ताल पीओके निवासियों के बीच बढ़ते असंतोष का कारण बनती जा रही है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिना बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर ऊपर आने के भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.45 फीसदी करीब 328.48 अंक बढ़कर 73,104.61 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 0.51 फीसदी तकरीबन 113.80 अंक ऊपर आकर 22,217.85 के स्तर पर बंद हुआ। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 36 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 14 के शेयर नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति के शेयर लाभ में रहे जबकि

नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। अप्रैल में महंगाई आंकड़ा नीचे आने से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो के बाजार ऊपर आये जबकि शंघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए। इसके अलावा यूरोपीय बाजाजों में मिलाजुला कारोबार हुआ। वॉल स्ट्रीट में गत दिवस मिलजुल कारोबार हुआ। डाउ जोन्स 0.21 फीसदी गिर गया, जबकि एसएंडपी 500 इंच 0.02 फीसदी कम हो गया। हालांकि, नैस्डैक कंपोजिट में 0.29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले अच्छे संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे हैं। शुरुआती कारोबार में एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 199 अंक बढ़कर 72,975 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 71 अंक ऊपर 22,175 पर कारोबार करते दिखा

सोना-चांदी खरीदना हुआ और महंगा

- सोने का वायदा भाव 72 हजार, चांदी 85,300 हजार रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार को गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,300 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,936 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की तेजी के साथ 85,068 रुपये पर खुला। इस समय यह 414 रुपये की तेजी के साथ 85,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,342.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,343 डॉलर था। जो इस समय 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,347.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 28.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी सांसद ने गुस्से में कहा- गाजा पर परमाणु हमला होने दीजिए

वॉशिंगटन(ईएमएस)। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, जब हम पर्ल हार्बर के बाद एक राष्ट्र के तौर पर तबाही का सामना कर रहे थे, जर्मनी और जापान से लड़ रहे थे, तब हमने हिरोशिमा और नगासाकी पर बम गिराकर युद्ध को खत्म करने का फैसला किया था। वह सही फैसला था। उन्होंने कहा, इजरायल को भी बम दो, जिसकी उन्हें जरूरत है। वे हार नहीं सकते।एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि एक यहूदी राष्ट्र के तौर पर इजरायल को अस्तित्व बचाने के लिए जो भी कुछ करना पड़े, उसे करना चाहिए। उन्होंने कहा, हिरोशिमा और नगासाकी पर बम गिराकर खतरे को खत्म करना अमेरिका के लिए कैसे सही था? अगर हम करें, तो यह सही कैसे है? मुझे लगा वह सही होगा। उन्होंने कहा, ऐसे में इजरायल आपको यहूदी राष्ट्र के तौर पर जीवित रहने के लिए जो भी कुछ करना पड़े, करें।

बता दे कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन रफा में कार्रवाई को लेकर इजरायल की हथियार सप्लाई रोकने की बात कर रहे हैं। खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने हाल ही में इजरायल को की जाने वाली 3 हजार भारी बमों की डिलीवरी रोक दी है। साथ ही उन्होंने यह कसम भी खाई है कि अगर इजरायल रफा में बड़ा ऑपरेशन शुरू करता है, तो और भी हथियारों की सप्लाई रोक दी जाएगी।इसी बीच अब एक अमेरिकी सीनेटर ने इजरायल को बम दिए जाने की वकालत की है। उन्होंने इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष की तुलना दूसरे विश्व युद्ध से की है। उन्होंने कहा कि इजरायल युद्ध हार नहीं सकता। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनी समूह हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है।इस दौरान उन्होंने जनहानि के आरोप भी हमास पर लगाए। ग्राहम ने कहा, मुझे लगता है कि जब तक हमास अपने ही लोगों का इस्तेमाल मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करना बंद नहीं करता है, तब तक गाजा में आम नागरिकों की मौतों में कमी लाना असंभव है। मैंने युद्ध के इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा कि कोई दुश्मन आम नागरिकों की जान को खतरे में डालता है।

संयुक्त राष्ट्र में इजरायल हमास के बीच जंग रोकने की वकालत की

वॉशिंगटन (ईएमएस)। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल हमास के बीच जंग की शुरुआत हुई थी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 70,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस युद्ध ने हजारों बेगुनाहों की जिंदगी छीन ली। भारत भी लगातार युद्ध को लेकर चिंता जता रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10वें यूएनजीए आपातकालीन विशेष सत्र को संबोधित कर युद्ध पर भारत की राय रखी। युद्ध की वजह से बड़े पैमाने पर महिलाओं और बच्चों ने अपनी जान गंवा दी है। हर देश को सभी परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए। कंबोज ने कहा कि भारत की मांग है कि सभी बंधकों की बिना किसी शर्त के रिहाई दी जाए। इस युद्ध में आम लोगों की जिंदगी बर्बाद हो रही है। वहीं, भारत ने टू स्टेट सॉल्यूशन पर भी अपनी बात रखी। कंबोज ने कहा कि भारत ने हमेशा टू स्टेट सॉल्यूशन की बात दोहराई है और फलस्तीन के लोगों की आजादी की वकालत की है। वहीं, हम संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता का समर्थन करते हैं।

छह साल में 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने 4.2 लाख करोड़ चाहिए: उद्योग विशेषज्ञ

- भारत में फिलहाल चार करोड़ घर ही ब्रॉडबैंड से जुड़े हुए हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश को वर्ष 2030 तक देश के 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत पड़ेगी। एक उद्योग विशेषज्ञ ने यह अनुमान जताया है। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) के सम्मेलन में कहा कि भारत में फिलहाल चार करोड़ घर ही ब्रॉडबैंड से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा ?कि ऐसे में 24 करोड़ घरों को तीव्र रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवा से जोड़ने के लिए भारत को सभी तरह के डिजिटल संपर्क बुनियादी ढांचे पर 4.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की जरूरत होगी। सिंघल ने इसका ब्योरा देते हुए कहा कि फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़ रुपये, वाईफाई और इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डेटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि (यूएसओएफ) के अलावा सरकार जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व) कोषके उपयोग की अनुमति दे सकती है। इसका उपयोग डिजिटल शैक्षिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी किया जा सकता है। अमेरिका में घरों तक ब्रॉडबैंड की पह

पोइचा स्थित नर्मदा नदी में 8 पर्यटक डूबे, एक को बचा लिया गया, 7 लोगों की तलाश जारी

नर्मदा (ईएमएस)राजपीपला के पोइचा स्थित नर्मदा नदी में 8 पर्यटक डूब गए इनमें से एक व्यक्ति को बचा लिया गया, जबकि अन्य 7 लोगों की तलाश की जा रही है सभी पर्यटक सूरत के निवासी होने की खबर है जानकारी के मुताबिक सौराष्ट्र के अमरेली के मूल निवासी एक परिवार सूरत में रहता है परिवार के लोग नर्मदा जिले की राजपीपला तहसील के पोइचा स्थित पर्यटन स्थल घूमने आए थे भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए परिवार के सदस्य नर्मदा नदी में नहाने गए थे और एक के बाद एक पानी में डूबने लगे नदी में डूब रहे लोग मदद की गुहार लगाने लगे उस वक्त आसपास मौजूद स्थानीय तैराकों ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी और एक व्यक्ति को बचा लिया जबकि अन्य 7 लोग नदी में डूब गए सूचना पाते ही राजपीपला से फायर फाइटर और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू कर दिया जानकारी के मुताबिक 3 बच्चों समेत परिवार के कुल 8 लोग नदी में डूब गए थे जिसमें से एक व्यक्ति को बचा लिया गया है और अन्य की नदी में तलाश जारी है जिनमें 45 वर्षीय भरत मेघाभाई बलदाणिया, 12 वर्षीय आर्नव भरतभाई बलदाणिया, 15 वर्षीय मैत्र्य भरतभाई बलदाणिया, 11 वर्षीय व्रज हिम्मतभाई बलदाणिया, 7 वर्षीय आर्यन राजुभाई झिंझाळा, 15 वर्षीय भार्गव अशोकभाई हडिया और 15 वर्षीय भावेश वल्लभभाई हडिया शामिल हैं ये सभी लोग सूरत के सणिया हेमाद की कृष्णा पार्क सोसायटी के निवासी हैं फिलहाल नदी में डूबे लोगों की तलाश की जा रही है

10 साल बाद पकड़ा गया अपने दोस्त का हत्यारा, साधु बनकर पुलिस को दे रहा था चकमा

वलसाड (ईएमएस)दक्षिण गुजरात के वलसाड में शराब के नशे में अपने दोस्त की हत्या के बाद से फरार आरोपी को पुलिस ने 10 साल बाद आखिरकार उत्तर प्रदेश के आगरा से धरदबोचा हत्या के बाद से फरार आरोपी साधु बनकर ईधर-उधर घूमकर पुलिस को चकमा और समाज की भावनाओं से खिलवाड कर रहा था जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले की वापी जीआईडीसी के सी टाइप क्षेत्र स्थित एक कंपनी में रहनेवाले दो दोस्तों प्रताप राजपूत और प्रेमसिंग के बीच झगड़ा हुआ था यह घटना वर्ष 2014 की धुलेटी के दिन की है रंगों के पर्व धुलेटी पर प्रताप और प्रेमसिंग ने दिनभर होली खेली और रात में जमकर शराब पी जिसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जो इतना बढ़ गया कि आवेश में आकर प्रेमसिंह ने कुल्हाडी से वार कर अपने दोस्त प्रताप राजपूत को मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया घटना के बाद आरोपी प्रेमसिंग को गिरफ्तार करने के लिए वलसाड पुलिस उत्तर प्रदेश स्थित उसके गांव तक पहुंच गई लेकिन प्रेमसिंग को कोई अता पता नहीं मिला करीब 10 साल की मशक्कत के बाद पुलिस को आखिर सफलता मिली और उसने उत्तर प्रदेश के आगरा के निकट से हत्या के आरोपी प्रेमसिंग को गिरफ्तार कर लिया आरोपी पिछले 10 साल से साधु वेशभूषा में ईधर उधर घूम रहा था पिछले काफी समय से वह उत्तर प्रदेश के आगरा के निकट यमुना नदी के किनारे स्थि एक स्मशान में रहता था हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग करने प्रेमसिंग जब अपने घर पहुंचा तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया

निर्माणाधीन पानी की टंकी ढहने से एक श्रमिक की मौके पर मौत, 3 मजदूर गंभीर रूप से घायल

तापी (ईएमएस)जिले के गोलण गांव में निर्माणाधीन पानी की टंकी ढहने से अफरातफरी मच गई इस घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य तीन श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है स्थानीय लोगों का आरोप है कि पानी की टंकी के निर्माण में हलकी गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जा रहा था जानकारी के मुताबिक तापी जिले की सोनगढ़ तहसील के गोलण गांव में पानी की नई टंकी का निर्माण कार्य चल रहा था, जो अचानक ढह गई करीब 18 मीटर ऊंची पानी की टंकी ढहने से अफरातफरी मच गई बताया जाता है कि यह घटना उस समय हुई जब टंकी के बोटम का स्लैब भरा जा रहा था इस हादसे में अनिल हानजीभाई गामित नामक श्रमिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि अमित अनिलभाई गामित, सुनील टकलियाभाई गामित और किशन संदीपभाई गामित गंभीर रूप से घायल हो गए सभी घायलों को व्यारा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है स्थानीय लोगों ने कोन्ट्रेक्टर पर पानी की टंकी के निर्माण में हलकी गुणवत्ता की सामग्री उपयोग करने का आरोप लगाया है

सूरत से और दो झोलाछाप डॉक्टर धरे गए, बगैर किसी डिग्री के मरीजों कर रहे थे इलाज

सूरत (ईएमएस)सूरत पुलिस ने शहर के कतारगाम और चौक बाजार क्षेत्र से दो झोलाछाप डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया पकड़े गए डॉक्टर बगैर किसी मेडिकल डिग्री के अपने क्लीनिक मरीजों का उपचार कर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड कर रहे थे जानकारी के मुताबिक सूरत की कतारगाम पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर जनतानगर स्थित संजीवनी क्लीनिक पर रेड कर 50 वर्षीय नन्हेलाल अच्छेबर पटेल को गिरफ्तार कर लिया नन्हेलाल पटेल के पास कोई मेडिकल डिग्री या सर्टिफिकेट नहीं था, बावजूद इसके वह अपने क्लीनिक में मरीजों का इलाज कर उनके स्वास्थ्य से खिलवाड कर रहा था इसी प्रकार सूरत की चौक बाजार पुलिस ने भरीमाता रोड फुलवाडी मदीना मस्जिद के सामने नेहरूनगर झुग्गी बस्ती में ज्योति क्लीनिक पर छापा मारा और स्वपन गणेश सरकार को गिरफ्तार कर लिया सूरत के रिवरव्यू सोसायटी में रहनेवाले स्वपन गणेश सरकार भी बगैर किसी मेडिकल डिग्री के मरीजों को एलोपैथी दवाइयां देकर उनका इलाज कर रहा था

मुख्यमंत्री के राज्य में आंधी-तूफान तथा वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा करने के दिशा-निर्देश

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कार्यवाहक मुख्य सचिव श्रीमती सुनैना तोमर को राज्य में सोमवार शाम आए आंधी-तूफान तथा वर्षा से उत्पन्न स्थिति की तत्काल समीक्षा करने के दिशा-निर्देश दिए। पटेल के इस दिशानिर्देश के अनुपालन स्वरूप श्रीमती सुनैना तोमर ने प्रभावित जिलों के कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर उनके जिले में वर्षा, आंधी-तूफान तथा बिजली गिरने की स्थिति आदि की गहन जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला प्रशासकों को अलर्ट मोड पर रहने तथा मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार अग्रिम आयोजन के लिए भी मार्गदर्शन दिया।

राहत आयुक्त आलोक पांडे ने इस समीक्षा बैठक का विवरण देते हुए कहा कि राज्य में 41 तहसीलों में 2 मिलीमीटर से लेकर 38 मिलीमीटर तक वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि वर्षा के साथ हवा की गति भी बढ़ी और बिजली गिरने के कारण राज्य में दो लोगों की मृत्यु दर्ज हुई है।

राहत आयुक्त आगे ने बताया कि आंधी के कारण 249 गाँवों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसे तत्काल बहाल कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कार्यकारी मुख्य सचिव को ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जिसमें स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) तथा जिलों के नियंत्रण कक्ष निरंतर कार्यरत रहें ताकि कहीं भी किसी के जीवन और सम्पत्ति के कम से कम नुकसान को सुनिश्चित किया जा सके।

15 मई की जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस की गयी रिशेडयूल जामनगर से 16 घंटा 35 मिनट लेट रवाना होगी

पैरींग रेक लेट होने के चलते 15 मई, 2024 को जामनगर से चलनेवाली ट्रेन नंबर 12477 जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस ट्रेन को रिशेडयूल किया गया है। यह ट्रेन जामनगर से 15 मई, 2024 को अपने निर्धारित समय सुबह 08.15 बजे की जगह 16 घंटा 35 मिनट लेट यानि कि 16 मई को 00.50 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग वाया अम्बाला छावनी-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-सरहिंद-सानेह वाल पर चलेगी। रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें

भगवान से नाराज पूर्व सरपंच ने तीन मंदिरों में लगा दी आग, गांव के लोगों में भड़का आक्रोश

राजकोट (ईएमएस)काफी पूजा-पाठ करने के बावजूद मनचाही इच्छा पूरी नहीं होने पर कोई भगवान से नाराज हो यह समझ में आता है, लेकिन इसके लिए मंदिर में आग लगा देना और वह भी एक नहीं बल्कि 3-3 मंदिरों में ऐसी ही एक घटना राजकोट के एक गांव से सामने आई है पुलिस ने गांव के पूर्व सरपंच के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है जानकारी के मुताबिक राजकोट के जियाणा गांव की सीमा स्थित रामापीर के मंदिर में किसी टायर जलाकर मंदिर में मौजूद प्रतिमा नष्ट कर दी जिसके बाद बंगला वाली मेलडी माता मंदिर में लकड़ी जलाकर उनकी प्रतिमा जला दी इतने से मन नहीं भरा तो वासंगीदादा के मंदिर के बाहर पुराने कपड़े फूंक दिए घटना के वक्त मंदिर के द्वार पर ताला लगा हुआ था, इस कारण मंदिर परिसर में पुराने कपड़े जला दिए गए एक साथ तीन मंदिरों में आग लगाए जाने की घटना को लेकर गांव के लोगों में आक्रोश भड़क उठा मामला पुलिस थाने पहुंचा और जांच शुरू हुई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ गांव के तीनों मंदिर में आग लगाने वाला शख्स पूर्व सरपंच अरविंद सरवैया निकला पुलिस ने पूर्व सरपंच अरविंद सरवैया पर शिकंजा कसा और उससे पूछताछ शुरू कर दी अरविंद सरवैया ने बताया कि वह काफी समय से भगवान का पूजा-पाठ करता था, लेकिन उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा था जिससे वह भगवान से नाराज था और इसी कारण उसने गांव के तीन मंदिरों में आग लगाई पुलिस ने आरोपी अरविंद सरवैया के खिलाफ 295, 435 के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

कंपनी ने जल उपचार अनुप्रयोगों के लिए अल्फा कार्बन ब्रांड और सक्रिय कार्बन उत्पाद लॉन्च किए

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएस) को जीएसी-01 पेश करने पर गर्व है, जो अल्फा कार्बन ब्रांड नाम के तहत इसकी अभिनव उत्पाद श्रृंखला का नवीनतम संयोजन है। जीएसी-01 जल उपचार निस्पंदन मीडिया में एक नवाचार का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें त्याग किए गए बायोमास फीडस्टॉक्स, विशेष रूप से नारियल की भूसी से बने बायोमास-आधारित सक्रिय कार्बन ग्रैन्यूल शामिल हैं। संजीवक कार्बोनाइजेशन सिस्टम्स (एससीएस) की कंपनी ओआरएस द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए, जीएसी-01 विभिन्न गुणों और शुद्धता के साथ सक्रिय कार्बन प्रदान करता है जो जल उपचार अनुप्रयोगों के लिए तैयार किया गया है। नियंत्रित प्रक्रिया सेटिंग्स के तहत इंजीनियर किया गया, उँ-01 पानी से दूषित पदार्थों को सोखने में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है, जिससे यह पीने योग्य पानी के उत्पादन और अपशिष्ट जल उपचार सुविधाओं में शुद्धिकरण प्राप्त करने के लिए एक अत्यधिक प्रभावी और लागत प्रभावी समाधान बन जाता है। ठजीएसी-01 के साथ कंपनी ने बायोमास को ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन-आधारित व्युत्पन्न उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए उपयुक्त माइक्रोबियल कार्बोनाइजेशन सिस्टम विकसित किया है, जो समुदायों, स्थानीय सरकारों और व्यवसायों को अधिक पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार विकल्प प्रदान करता है। स्थिरता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है इसने हमें एक ऐसा उत्पाद विकसित करने के लिए प्रेरित किया जो न केवल पानी की गुणवत्ता बल्कि अपशिष्ट बायोमास निपटान की पर्यावरणीय चुनौतियों का भी समाधान करता है।ठ कंपनी के सीईओ यशस भांड ने कहा जीएसी-01 के लॉन्च के साथ, ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम (ओआरएस) सक्रिय कार्बन उद्योग घरेलू और निर्यात बाजारों में महत्वपूर्ण प्रगति करने के लिए तैयार है, जहां अकेले भारत ने 2022 में आर्थिक जटिलता वेधशाला को सक्रिय कार्बन में 378 मिलियन डॉलर का निर्यात किया। मोर्डोर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक सक्रिय कार्बन बाजार मजबूत वृद्धि का अनुभव कर रहा है, जो 2024 में ₹ 4.32 बिलियन का अनुमान है, और 2029 तक ₹ 5.77 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना 5.95₹ की दर से बढ़ रहा है।

एचएससी बोर्ड 2024 - विज्ञान स्ट्रीम में फीनिक्स का शानदार परिणाम

वडोदरा, गुरुवार 9 मई, 2024, गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा आज सुबह 9 बजे एचएससी बोर्ड 2024 विज्ञान स्ट्रीम का परिणाम घोषित किया गया है, फीनिक्स के छात्रों ने पिछले 13 वर्षों की परंपरा को बनाए रखते हुए इस वर्ष 2024 की एचएससी बोर्ड परीक्षा में भी शानदार परिणाम हासिल किए हैं। उसने बहुत अच्छे नतीजों से अपने माता-पिता और फीनिक्स का नाम रोशन किया है। कुल मिलाकर फीनिक्स के 12 छात्रों ने ए1 ग्रेड हासिल किया है जो इस प्रकार है 1. हंसिका देवडिगा- 99.92 पीआर, 2. खुशी खिमनानी-99.86 पीआर, 3. तनीषा वैश्य-99.83 पीआर, 4. गौरी पारिख-99.82 पीआर, 5. प्रांजल दवे-99.81 पीआर, 6. चार्मी पारिख-99.77 पीआर, 7. निधि बेचारा-99.75 पीआर, 8. प्रतीति जोशी-99.72 पीआर, 9. हेत अग्रवाल-99.28 पीआर,10. हर्षित वाघमासिह-99.20 पीआर, 11. मनस्वी कचड़िया-99.45, 12. कलरव भट्ट-98.75 पीआर। वहीं कुल 42 विद्यार्थियों ने साइंस मेरिट में ए1 ग्रेड प्राप्त किया है। फीनिक्स के संस्थापक और निदेशक - मुकेश दादवानी साहब के साथ एक साक्षात्कार में, उन्होंने आगे कहा कि फीनिक्स पिछले 13 वर्षों से वडोदरा के छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने वाली संस्था है। पिछले कई वर्षों में फीनिक्स के छात्रों ने जेईई, एनईईटी, एचएससी बोर्ड-जीयूजेसीईटी और एसएससी बोर्ड में सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए हैं। वर्ष 2024 में आयोजित जेईई मेन्स परीक्षा में भी वडोदरा शहर का परिणाम सबसे अच्छा रहा - फीनिक्स के 9 छात्रों ने 99 से अधिक पीआर के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। उम्मीद है कि 10वीं बोर्ड का रिजल्ट भी बेहतरीन होगा. फीनिक्स वडोदरा में एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है जो लगातार और सर्वोत्तम परिणाम देता है। फीनिक्स की एक अन्य शाखा राजस्थान के आनंद और कोटा में भी संचालित होती है।

इनऑर्बिट की पानी के नीचे की दुनिया में गोता लगाएँः पूरे परिवार के लिए मज़ेदार!

खेल, कार्यशालाओं, गतिविधियों और सजावट के माध्यम से राजसी पानी के नीचे की दुनिया की खोज करें

वडोदरा, 14 मई, 2024: गर्मियां आ गई हैं और अब वडोदरा के अंडरवाटर वर्ल्ड में डुबकी लगाने का सही समय है! इस गर्मी के मौसम में, मॉल अपने महीने भर के दौरान आकर्षक सजावट के साथ-साथ गतिविधियों, कार्यशालाओं, खेलों की एक रोमांचक श्रृंखला लेकर आता है। अंडरवाटर वर्ल्ड सक्रियण है!

गर्मियों की छुट्टियाँ जोरों पर हैं, इनऑर्बिट मॉल वडोदरा बच्चों के लिए अपना समय बिताने के लिए एक आदर्श स्थान है। क्योंकि अंडरवाटर वर्ल्ड इंटरैक्टिव प्रदर्शनों, खेलों और गतिविधियों की अपनी रोमांचक श्रृंखला के माध्यम से शिक्षा और मनोरंजन के मिश्रण का वादा करता है, जो न केवल उन्हें आनंद लेने में मदद करेगा, बल्कि समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के महत्व और उनकी रक्षा करने की आवश्यकता पर भी जोर देगा। पेंटिंग और शैल-आधारित शिल्प जैसी रचनात्मक कार्यशालाओं से लेकर समुद्री

जीवों की तथ्य-आधारित स्थापनाओं, वेव राइडर सर्फ़बोर्डिंग गेम और प्लेस्टेशन सहित अन्य गेम तक, बच्चों के लिए चुनने के लिए कई विकल्प हैं! साथ ही, इन खूबसूरत यादों को यहां कैद किया जा सकता है। जलीय साहसिक फोटोबूथ।

जबकि बच्चे पानी के नीचे की दुनिया में अपने जीवन का आनंद लेंगे, माता-पिता हैमली, एलन सोली जूनियर, गिनी जॉनी, क्रॉक्स, लोफा, मिस्टर ॐ, शॉपर्स स्टॉप, मैक्स, पैंटालून जैसे ब्रांडों पर विशेष ऑफर के साथ खरीदारी का आनंद ले सकते हैं। और गैसजेवी।

तो, इंतजार न करें और इनऑर्बिट मल्लवाडोदरा में मनोरंजन, मौज-मस्ती और विशेष खरीदारी अनुभवों की दुनिया में गोता लगाएँ!

अप्रैल 2024 में हॉस्पिटैलिटी, तेल एवं गैस और एफएमसीजी सेक्टर में मिलीं सबसे ज्यादा नौकरियाँ : नौकरी जॉबस्पीक

नौकरियाँ देने के मामले में गैर-मेट्रो शहरों ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी, अहमदाबाद **(±10%)** और वड़ोदरा **(±8%)** बड़े मेट्रो शहरों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए रोजगार खोजने वालों के लिए हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहे हैं

भारत, 14 मई 2024 : अप्रैल 2024 में भारत में व्हाइट-कॉलर भर्ती का प्रमुख सूचकांक, नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स 2643 पर रहा। ये पिछले महीने (मार्च 2024) की तुलना में सपाट रहा। वहीं, पिछले साल अप्रैल की तुलना में इसमें 3 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, सामान्य रूप से नौकरी बाजार की धारणा में कुछ सुधार देखने को मिला है। हॉस्पिटैलिटी, तेल और गैस और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में नियुक्तियों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। गैर-मेट्रो शहरों ने महानगरों को पीछे छोड़ते हुए अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। वहीं, सीनियर प्रोफेशनल्स के लिए माँग में तेजी आई है। अनुभवी उम्मीदवारों के लिए माँग में सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि देखने को मिली है।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर ने मजबूत उछाल दर्ज की

ट्रैवल और टूरिज्म में ग्रोथ के कारण अप्रैल 2024 में हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल सेक्टर में मिलने वाली नौकरियों में अप्रैल 2023 की तुलना में सालना आधार पर 16₹ की जोरदार ग्रोथ देखने को मिली है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरी केंद्रों में फ्रंट ऑफिस मैनेजर, हाउसकीपिंग सुपरवाइज़र और एफऐंडबी सर्विस प्रोफेशनल जैसे पदों की खूब माँग रही।

तेल एवं गैस सेक्टर के कारण नौकरी में बढ़ोतरी में तेजी आई

तेल एवं गैस सेक्टर ने अप्रैल 2024 में सालाना आधार पर 15₹ ज्यादा लोगों को नई नौकरियाँ दी। पेट्रोलियम इंजीनियरों, ड्रिलिंग इंजीनियरों और प्रोडक्ट ऑपरेटरों जैसे कर्मियों के लिए काफी ज्यादा माँग देखने को मिली। इस सेक्टर में ज्यादातर नियुक्तियाँ अहमदाबाद, वदोदरा और जयपुर में हुईं।

सीनियर प्रोफेशनल्स के लिए ज्यादा माँग

अनुभवी प्रोफेशनल्स की माँग ऊँची बनी हुई है। 13-16 साल के अनुभव वाले उम्मीदवारों के लिए माँग में सालाना आधार पर 9₹ की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं, 16 साल से ज्यादा के अनुभव वाले लोगों की भर्ती में 21₹ की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई। हालांकि, अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए मजबूत माँग के विपरीत एंट्री लेवल की नियुक्तियाँ कम रहीं हैं।

Naukri.com के चीफ बिजनेस ऑफिसर, डॉ. पवन गोयल ने कहा, ठहालांकि ओवरऑल इंडेक्स सपाट है लेकिन हॉस्पिटैलिटी, तेल और गैस और एफएमसीजी में अच्छी ग्रोथ के साथ नए वित्तीय वर्ष की अच्छी शुरुआत हुई है। गैर मेट्रो शहरों ने मेट्रो शहरों की तुलना में अपना बेहतर प्रदर्शन जारी रखा है। यह आने वाले महीनों के लिए भारतीय रोजगार बाजार के लिए एक अच्छा संकेत है।ठ

अहमदाबाद और आगरा कैंट के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद और आगरा कैंट के बीच विशेष किराये पर त्रि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

ट्रेन संख्या 01920/01919 अहमदाबाद-आगरा कैंट-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल (20 फेरे)

ट्रेन संख्या 01920 अहमदाबाद-आगरा कैंट स्पेशल 17 मई 2024 से 30 जून 2024 तक प्रति बुधवार, शुक्रवार और रविवार को अहमदाबाद से 17.30 बजे चलकर अगले दिन 09.50 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 01919 आगरा कैंट-अहमदाबाद स्पेशल 16 मई 2024 से 29 जून 2024 तक प्रति मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को आगरा कैंट से 23.30 बजे चलकर अगले दिन 14.30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास तथा फतेहपुर सीकरी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सेकंड एसी का एक कोच, थर्ड एसी के 5 कोच तथा जनरल श्रेणी के 14 कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 01920 की बुकिंग 15 मई, 2024 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्रा **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गुजरात में आफत बनकर आई धूलभरी आंधी और बारिश, बिजली गिरने से 2 मौतें

अहमदाबाद (ईएमएस)सोमवार को गुजरात में आंधी-तूफान और बारिश से बड़े पैमाने पर तबाही मचाई हांलाक बेमौसम बारिश होने से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन काफी नुकसान भी उठाना पड़ा आंधी के चलते राज्य के कई गांवों में बिजली गुल हो गई वहीं बिजली गिरने से राज्य में 2 लोगों की मौत हो गई मौसम विभाग का अभी भी अगले दो दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान है. मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों तक राज्य में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है 14 मई को बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा, गांधीनगर, अरवल्ली, खेड़ा, अहमदाबाद, आनंद, पंचमहल, दाहोद, नर्मदा, भरूच, महिसागर जिलों में रिमझिम बारिश हो सकती है वहीं 15 मई को अरवल्ली, खेड़ा, अहमदाबाद, आनंद, पंचमहल में गरज के साथ बारिश हो सकती है। 16 मई को बनासकांठा, साबरकांठा, दाहोद, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर समेत जिलों में बारिश का अनुमान है। बता दें कि कल राज्य के विभिन्न जिलों के 41 तहसीलों में तेज हवा के साथ ओलावृष्टि होने से किसानों की चिंता बढ़ गई बेमौसम बारिश से ग्रीष्मकालीन फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है जानकारी के मुताबिक 5 तहसीलों में एक इंच से ज्यादा बारिश हुई जबकि नर्मदा के गरुड़ेश्वर में सबसे ज्यादा 1.5 इंच बारिश हुई तूफान के कारण 249 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई तेज हवाओं के कारण कई पेड़ और होर्डिंग्स धराशायी हो गए तेज रफ्तार हवा के साथ आकाशीय बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई जूनागढ़ में देर रात तेज हवाओं से पेड़ उखड़ गए और कुछ इलाकों में बिजली गुल हो गई धूलभरी आंधी चलने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जूनागढ़ में कालवा चौक में पेड़ गिरने से गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई पर्यावरण में हो रहे बदलाव को देखते हुए आपदा प्रबंधन सक्रिय हो गया है और प्र सभी विभागों को अलर्ट कर दिया गया है पीजीवीसीएल, आरएनबी, पुलिस और वन विभाग को सूचित कर दिया गया है। सभी टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बेमौसम बारिश से उत्तर गुजरात में बाजरा समेत ग्रीष्मकालीन फसलों को भारी नुकसान

अहमदाबाद (ईएमएस) बनासकांठा समेत उत्तर गुजरात में सोमवार को हुई बेमौसम बारिश से किसानों की ग्रीष्मकालीन बाजरा समेत अन्य फसलों को नुकसान हुआ है बनासकांठा के दांता के कई इलाकों में तेज हवाओं और बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई बनासकांठा के अमीरगढ़, वडगाम में भी तेज हवा के साथ आंधी चली बेमौसम बारिश के कारण किसानों की खेत में खड़ी ग्रीष्मकालीन बाजरे की फसल बर्बाद होने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है खून-पसीना बहाकर जिस फसल को किसानों ने तैयार किया था उस पर बेमौसम बारिश ने पानी फेर दिया बनासकांठा जिले में मौसम में अचानक बदलाव के कारण दांता, अमीरगढ़, वडगाम समेत जिले के कई इलाकों में तेज हवा के साथ बेमौसम बारिश होने से किसानों की हालत दयनीय हो गई है बनासकांठा जिले में कल दोपहर को अचानक मौसम बदलने के बाद दांता के कई जिलों में तेज हवा के साथ बेमौसम बारिश और ओले गिरे। जिसके चलते दांता पंथक में कई पेड़ गिर गए और कई सड़कें बंद हो गई जिले के अमीरगढ़ और वडगाम में तेज हवा के साथ बेमौसम बारिश हुई. हालांकि, वडगाम के मुमनवास, अंधारिया, होतावाड़ा में भारी बारिश के कारण किसानों के खेतों में उगी ग्रीष्मकालीन बाजरे की फसल को व्यापक नुकसान हुआ है किसानों ने भीषण गर्मी में पसीना बहाकर बाजरे की फसल तैयार की थी लेकिन बेमौसम बारिश के साथ तेज हवाओं ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की

अहमदाबादः गुरुवार, 8 मई, 2024: मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने विश्व थैलेसीमिया दिवस मनाया, जिसका आयोजन हर साल 8 मई को किया जाता है। इस साल की थीम जीवन को सशक्त बनाएँ, प्रगति से नाता जोड़ें: सभी के लिए समान और सुलभ थैलेसीमिया उपचार है।

थैलेसीमिया खून से संबंधित एक आनुवंशिक बीमारी है, जो शरीर में बनने वाले हीमोग्लोबिन की मात्रा में कमी की वजह से होता है। हीमोग्लोबिन एक तरह का प्रोटीन होता है जो पूरे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीजन ले जाने के लिए आवश्यक है, लेकिन खून से संबंधित इस आनुवंशिक बीमारी में शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण की क्षमता घट जाती है। हीमोग्लोबिन की कमी की वजह से थकान, कमजोरी और इसी तरह के कई गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं। थैलेसीमिया दो रूपों में प्रकट होता है: अल्फा और बीटा, जो क्रोमोसोम में मौजूद डीएनए में गड़बड़ी (उत्परिवर्तन) पर आधारित होता है। यह बीमारी माता-पिता से बच्चों में आती है। अगर दंपति के शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने वाले डीएनए में

से किसी एक (दो में से) में उत्परिवर्तन होता है, जिसके लक्षण नहीं दिखाई देते हैं लेकिन प्रत्येक गर्भावस्था के दौरान भ्रूण को माता-पिता में से किसी एक से दोषपूर्ण डीएनए प्राप्त होने का जोखिम लगभग 25₹ होता है, और ऐसा होने पर जन्म लेने वाला बच्चा थैलेसीमिया का मरीज हो सकता है।

डॉ. अंकित जितानी, कन्सल्टेंट – हेमेटोलॉजी, ब्लू एंड मैरो ट्रांसप्लांट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने कहा, ''थैलेसीमिया की रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने में विश्व थैलेसीमिया दिवस मनाने की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। यह दिन बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की आसानी से उपलब्धता के साथ-साथ मरीजों के लिए उपलब्ध नई चिकित्सा पद्धतियों की शुरूआत के महत्व को भी दर्शाता है। हम मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति इस बीमारी का संभावित वाहक हो सकता है, इसलिए हम हमेशा सभी नवविवाहित जोड़ों और युवा व्यक्तियों की जांच करके इसकी रोकथाम करने, और प्रारंभिक गर्भावस्था (गर्भावस्था के 18 हफ्ते से पहले) के दौरान भ्रूण का प्रीनेटल जेनेटिक डायग्नोसिस करने पर ज्यादा जोर देते हैं, ताकि अगर पति-पत्नी दोनों थैलेसीमिया के वाहक हैं, तो थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे के जन्म को रोका जा सके।''

श्री गौरव रेखी, रीजनलडायरेक्टर – मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने कहा, ठहम मानते हैं कि 'मरीज सर्वोपरि' हैं, और अपनी पहल को इसी दिशा में आगे बढ़ाते हुए हम खून से संबंधित बीमारियों के बढ़ते मामलों और उनके इलाज के आध्याधुनिक तौर-तरीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य आम लोगों को ऐसी शारीरिक परेशानियों और बीमारियों के संबंध में सही जानकारी प्रदान करना है, जो जीवन पर बुरा असर डाल सकती हैं। इस बीमारी की रोकथाम के उपायों की हिमायत करके/ इसके शुरुआती लक्षणों की पहचान और उपचार के उन्नत तौर-तरीकों के बारे में लोगों के बीच जानकारी फैलाकर, हमारा लक्ष्य इन बीमारियों के प्रसार को कम करना है।''

एमजी ने मनाया शताब्दी वर्ष भारत में '100-ईयर लिमिटेड एडिशन' लॉन्च किया

ब्रिटिश रेसिंग ग्रीन से प्रेरित विशेष ठएवरग्रीनठ रंग पेश किया

गुरुग्राम, 10 मई, 2024: 100 साल पुरानी विरासत वाले ब्रिटिश ऑटोमोबाइल ब्रांड एमजी (मॉरिस गैरेज) ने आज ब्रिटि